शिक्षा की प्रगति

1973-74

शिक्षा निदेशालय, उ०प्र०, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश में शिक्षा की प्रगति

भाग 1

(सामान्य शिक्षा)

1973-74

शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश,

इलाहाबाद

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ संख्या
1—सामान्य पर्यवेक्षण	1
2—प्राथमिक शिक्षा	2–4
3—पूर्व माध्यमिक शिक्षा	5–6
4—उच्चतर माध्यमिक शिक्षा	7–11
5—उच्च शिक्षा	12–13
6—विविध	14–20
7—विभाग की अन्य उल्लेखनीय उपलब्धियां	21–22

अध्याय 1

सामान्य पर्यवेक्षण

वर्ष 1973–74 प्रदेश में चतुर्थ पंचवर्षीय योजना का अंतिम वर्ष था। इस वर्ष की शैक्षिक प्रगति की विशेषता यह थी कि प्रदेश का जन समुदाय समाजवाद की ओर अग्रसर रहा।

चतुर्थ पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष में जितनी परियोजनायें प्रारम्भ की गयीं उनके भौतिक एवं आर्थिक लक्ष्य प्राप्त करने के लिये चतुर्थ पंचवर्षीय योजना के अंतिम वर्ष में प्रभावी प्रयास किये गये इसका परिणाम यह हुआ कि शिक्षा विभाग ने भारत के लोक प्रिय प्रधान मंत्री के 'गरीबी हटाओ' आन्दोलन को सजीव और सफल बनाने के लिए प्रबल प्रयत्न किये।

भारतीय संविधान के निर्देशक सिद्धांत के अनुसार प्रारम्भिक शिक्षा को सर्व सुलभ करने के लिये असेवित क्षेत्रों में बेसिक स्कूल खोले गये और अतिरिक्त अध्यापकों की नियुक्ति की गयी। बेसिक शिक्षा परिषद के 18,000 अध्यापक/अध्यापिकाओं को प्रशिक्षित करने के लिए वृहद् कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया।

पूर्व माध्यमिक विद्यालयों के विज्ञान अध्यापकों के सेवारत प्रशिक्षण की व्यवस्था की गयी।

सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापकों का वेतन प्रत्येक मास की बीसवीं तारीख तक देने का दायित्व शासन ने पहले स्वीकार किया था किन्तु उनके वेतन का भुगतान प्रथम सप्ताह में ही कर देने के लिये, उनकी मांग के अनुसार, राजाज्ञा निर्गत की गयी। प्रबन्धक के द्वारा निकाले गये और विभाग के द्वारा बहाल किये गये अध्यापकों का वेतन देने का दायित्व शासन ने स्वीकार कर लिया है। अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में काम करने वाली महिला कर्मचारियों को राजकीय महिला कर्मचारियों के समतुल्य प्रसूतिका अवकाश प्रदान करने के लिए शासन ने आदेश जारी किया। सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के कर्मचारियों का राजकीय कर्मचारियों के समान ही वेतन तथा मंहगाई भत्ता देने की घोषणा भी की गई। शासन ने यह भी आदेश प्रसारित किया है कि मान्यता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापक/अध्यापिका जो सत्र के मध्य में सेवा निवृत्त होने वाले हों उन्हें सत्रान्त तक स्वतः सेवा विस्तरण की सुविधा प्राप्त होगी। संस्कृत अध्यापकों को अंग्रेजी विषय में पास होने तथा प्रशिक्षण के प्रतिबन्ध से मुक्त कर दिया गया। 1 अक्टूबर, 1964 से सेवा निवृत्त जीवित एवं स्थायी कर्मचारियों को 1 नवम्बर, 1972 से अनुग्रह पेंशन देने की स्वीकृति प्रदान की गयी। मान्यता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक संस्थाओं में जे0 टी0 सी0 अथवा बी0 टी0 सी0 वेतन क्रम में काम करने वाले ऐसे अध्यापकों को सी0 टी0 वेतनक्रम में स्वतः पदोन्नति की विशेष सुविधा प्रदान की गई जो इंटर पास ज0 टी0 सी0 बी0 टी0 सी0 हैं तथा 5 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके हैं अथवा प्रशिक्षित स्नातक हैं और एक वर्ष की सेवा पूरी कर चुके हैं। अब सहायता प्राप्त शिक्षा संस्थाओं के जिनमें प्राइमरी से डिग्री स्तर तक के विद्यालय हैं—जीवित एवं स्थायी कर्मचारियों को उनके आहरित वेतन के 1/5 भाग के बराबर मासिक अनुग्रह पेंशन दी जायगी जिससे वे आर्थिक संकट से मुक्त रह सकें।

पर्वतीय क्षेत्रों में उच्च शिक्षा की मांग की पूर्ति हेतु नैनीताल में कुमायूं विश्वविद्यालय तथा श्रीनगर में गढ़वाल विश्वविद्यालय स्थापित किये गये। 15 जनवरी, 1974 से काशी विद्यापीठ को विश्वविद्यालय का स्तर प्रदान किया गया।

अल्प संख्यकों तथा बालिकाओं की शिक्षा के लिये भी आख्यागत वर्ष में प्रभावी कदम उठाये गये। इन महत्वपूर्ण कार्यों के दूरगामी प्रभाव को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि प्रदेश में समान अवसर उपलब्ध करने के लिये और प्रदेश को समाजवाद की दिशा में ले जाने के लिये जो कार्य आख्यागत वर्ष में किये गये उनका प्रभाव अपरिमेय रहेगा।

अध्याय 2

प्राथमिक शिक्षा

(1) पूर्व प्राथमिक (शिशु) शिक्षा

1—प्रदेश में शिशु शिक्षा की जनता द्वारा मांग बराबर हो रही है। इस स्तर की शिक्षा 3 से 6 वर्ष तक की आयुवर्ग के बच्चों को दी जाती है। अधिकांश पूर्व प्राथमिक विद्यालय निजी संस्थाओं द्वारा चलाये जा रहे हैं। कुछ शिक्षा संस्थायें शासन द्वारा भी प्रयोगात्मक रूप से संचालित हो रही हैं। अशासकीय शिशु विद्यालयों को शासन द्वारा यथासंभव आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। वर्ष 1972–73 में 8 विद्यालयों को 41,388 रु0 वचनबद्ध अनुदान, 40 विद्यालयों को 2,54,365 रु0 अनुरक्षण अनुदान और 15 विद्यालयों को 10,000 रु0 अनावर्तक अनुदान स्वीकृत किया गया। वर्ष 1973–74 में 8 विद्यालयों को 48,144 रु0 वचनबद्ध अनुदान, 40 विद्यालयों को 2,62,814 रु0 अनुरक्षण अनुदान तथा 14 असाहाय्यिक विद्यालयों को सहायतार्थ 10,000 रु0 अनावर्तक अनुदान स्वीकृत किया गया।

2—शिशु शिक्षा के लिये प्रशिक्षित अध्यापिकायें सुलभ करने के लिये दो राजकीय एवं 3 अशासकीय शिशु शिक्षण महाविद्यालय हैं जिनमें दो वर्षीय सी0 टी0 नर्सरी पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। प्रति वर्ष 144 अध्यापिकायें प्रशिक्षित की जाती हैं। राजकीय शिशु प्रशिक्षण महिला महाविद्यालय, इलाहाबाद में शिशु शिक्षा में विशिष्टता प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध की गई है।

3—प्रदेश में शिशु शिक्षा की प्रगति निम्नलिखित तालिका से स्पष्ट हो जायगी:—

वर्ष			विद्यालय	छात्र संख्या	अध्यापक संख्या
1950–51	..	..	6	806	22
1971–72*	..	..	266	29,800	1,572

(2) प्राथमिक शिक्षा

1—भारतीय संविधान के निर्देशक सिद्धांत की 45वीं धारा के अनुसार सार्वभौम एवं निःशुल्क प्रारम्भिक शिक्षा को सर्वसुलभ करने के लिए पंचवर्षीय योजनाओं में प्राइमरी स्कूलों को खोलने तथा छात्रों तथा छात्राओं को इन स्कूलों में प्रविष्ट कराने के लिये अभियान चलाये जाने के फलस्वरूप प्राथमिक शिक्षा में अभूतपूर्व प्रगति हुई। निम्नलिखित तालिका से यह प्रगति स्पष्ट हो जायगी:—

विवरण		..	वर्ष 1945–46	वर्ष 1972–73*
विद्यालय	..	..	19,017	63,122
अध्यापक	..	..	40,986	2,18,501
छात्र	..	..	13,70,694	1,05,30,293

*(नोट—वर्ष 1972–73 के आंकड़े अस्थायी हैं।)

2—वर्ष 1972–73 में 110 जूनियर बेसिक स्कूल खोले गये तथा 2,100 अतिरिक्त अध्यापकों की नियुक्ति भी की गयी। शिक्षित बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार दिलाने की केन्द्रीय योजना के अन्तर्गत 7,100 अतिरिक्त अध्यापकों की नियुक्ति की गई। 280 स्कूल माताओं की नियुक्ति मिश्रित जूनियर बेसिक स्कूलों में की गई।

वर्ष 1973–74 में 60 जूनियर बेसिक स्कूल खोले गये तथा मिश्रित जूनियर बेसिक स्कूलों में 100 स्कूल माताओं की नियुक्ति की गई। अगस्त, 1973 से 'हाफ ए मिलियन जाब्स' की योजना के अन्तर्गत शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार दिलाने हेतु 10,000 अध्यापकों की नियुक्ति की गई, जिसमें 3,823 उर्दू अध्यापक नगर पालिका क्षेत्र के प्रत्येक प्राइमरी स्कूल में एक-एक अध्यापक नियुक्त करने के उद्देश्य से रखे गये हैं। नवम्बर, 1973 से 5,000 और अध्यापक इस योजना के अन्तर्गत नियुक्त हुये हैं।

3—जूनियर बेसिक स्कूलों के भवनों की दशा संतोषजनक नहीं है। वर्ष 1972–73 में 51 स्कूल भवनों का सुधार तथा 63 स्कूलों के लिये भवन निर्माण हेतु अनुदान स्वीकृत किया था। वर्ष 1973–74 में 50 स्कूल भवनों के सुधार तथा 60 स्कूल भवनों के निर्माण हेतु अनुदान स्वीकृत किया गया है।

4—मिश्रित जूनियर बेसिक स्कूलों में बालिकाओं के लिए 145 पृथक शौचालयों के निर्माण हेतु वर्ष 1972–73 में अनुदान स्वीकृत किया गया। वर्ष 1973–74 में 100 शौचालायों के निर्माण हेतु अनुदान स्वीकृत किया गया है।

5—असेवित क्षेत्रों में जहां प्राइमरी स्कूल नहीं हैं वहां उत्साही व्यक्तियों को, जो स्वयं विद्यालय खोलकर अध्यापन कार्य करते हैं, वर्ष 1972–73 में 100 स्वावलंबी विद्यालयों को एक मुश्त अनुदान स्वीकृत किया गया। 1973–74 में भी 100 स्वावलंबी विद्यालयों को एकमुश्त अनुदान दिया गया है।

6—शासन का प्रयत्न है कि प्रदेश में अवसर की कमी के कारण कोई बच्चा अपढ़ न रह जाय तथा गरीब एवं पिछड़े वर्ग के बच्चों को शिक्षा की समान सुविधायें प्राप्त हों। इस हेतु काफी संख्या में पुस्तकों का निःशुल्क वितरण किया जा रहा है।

7—बी0टी0सी0 प्रशिक्षण-प्राइमरी स्कूलों को प्रशिक्षित अध्यापक सुलभ करने के लिये प्रदेश में 159 (122 पुरुष तथा 37 महिला) राजकीय दीक्षा विद्यालय हैं। इसके अतिरिक्त 69 (60 पुरुष तथा 9 महिला) मान्यता प्राप्त कक्षायें हैं जो अराजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के साथ संलग्न हैं। राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों और प्रशिक्षण विद्यालयों के साथ (2 पुरुष तथा 19 महिला) बी0 टी0 सी0 यूनिट संलग्न हैं जिनमें बी0टी0सी0 एक वर्षीय पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। सेवारत अप्रशिक्षित अध्यापकों को प्रशिक्षित करने के लिए पुरुषों के 10 तथा 2 महिलाओं के लिए राजकीय सेवारत प्रशिक्षण केंद्र हैं।

8—स्थानीय निकायों से बेसिक शिक्षा परिषद को हस्तांतरित होने के समय बेसिक विद्यालयों में लगभग 18,000 अध्यापक अध्यापिकायें अप्रशिक्षित थीं। इस अवधि में इनको प्रशिक्षित करने का वृहत् कार्यक्रम बनाया गया। उनको तीन वर्गों में अनुभव के आधार पर विभाजित किया गया जो निम्नलिखित है—

(क) 10 वर्ष या उससे अधिक अनुभव वाले अध्यापक/अध्यापिकाओं को "कार्यरत अध्यापक प्रमाण-पत्र परीक्षा" की योजना बनायी गई है जिसके उत्तीर्ण करने पर उन्हें ए0टी0सी0 का प्रमाण-पत्र दिया जायगा।

(ख) पांच वर्ष से अधिक परन्तु 10 वर्ष से कम अनुभव वाले अध्यापक/अध्यापिकाओं को पत्राधारित प्रशिक्षण द्वारा प्रशिक्षित कराया जा रहा है। इनका प्रशिक्षण वर्ष 1974–75 तक समाप्त हो जायगा।

(ग) पांच वर्ष से कम अनुभव वालों को पूर्व बी0टी0सी0 प्रशिक्षण में भेजा गया है।

9--उत्तर प्रदेश में प्रारम्भिक शिक्षा के सुधार हेतु कई दशकों से विचारकों की मांग हो रही थी। प्रारम्भिक शिक्षा के उन्नयन हेतु जुलाई, 1972 से उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रारम्भिक शिक्षा का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया। प्रारम्भिक शिक्षा के लिए बेसिक शिक्षा राज्य परिषद गठित की गई है।

10--प्राइमरी स्कूलों को अब काफी मात्रा में बाल साहित्य दिया जा रहा है। इससे प्रदेश में जहां एक ओर अच्छे बाल साहित्य की रचना होने लगी है वहां स्कूलों में भी बच्चों के लिये सरल साहित्य उपलब्ध हुआ है।

11--इस स्तर पर विज्ञान शिक्षा कृषि और सरल विज्ञान के रूप में दी जाती हैं। इस सत्र से यूनिसफ तथा एन0सी0ई0 आर0टी0 की सहायता से कक्षा 3 से विज्ञान की शिक्षा नवीनतम पद्धति से प्रारम्भ कर दी गई है। विज्ञान की शिक्षा प्रदान करने हेतु अध्यापकों को सेवारत प्रशिक्षण दिया गया है। यूनिसेफ द्वारा लगभग 7.50 लाख रु0 मूल्य का कागज दिया जा रहा है। जिस पर छपी हुई विज्ञान की पुस्तकों का निःशुल्क वितरण गरीब व पिछड़े वर्ग के बच्चों में किया जा रहा हैं।

12--प्रारम्भिक शिक्षा में गुणात्मक सुधार तथा ह्रास एवं अवरोध पर नये-नये अनुसंधान प्रदेश के राज्य शिक्षा संस्थान द्वारा किये जा रहे हैं।

उपयुंक्त कार्यक्रमों के फलस्वरूप प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में अन्य प्रदेशों की तुलना में उ0 प्र0 की स्थिति सुदृढ़ हुई हैं।

अध्याय 3

पूर्व माध्यमिक शिक्षा

1--भारतीय संविधान में यह घोषित किया गया था कि 14 वर्ष तक के बालकों एवं बालिकाओं को सार्वभौम एवं निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था करना शासन का दायित्व होगा । इस दायित्व के अनुपालनार्थ प्रदेश के असेवित क्षेत्रों में जूनियर बेसिक एवं सीनियर बेसिक स्कूल खोलने पड़े । स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् पूर्व माध्यमिक विद्यालयों, अध्यापकों तथा छात्र संख्या में अभूतपूर्व प्रगति हुई है इसका अनुमान निम्नलिखित तालिका से हो सकेगा--

विवरण		1945-46	1972-73*
विद्यालय	..	1,676	9,363
अध्यापक	..	9,861	56,241
छात्र संख्या	..	2,32,081	16,65,810

इसके अतिरिक्त प्रदेश के हाई स्कूल तथा इंटर कालेजों के साथ सीनियर बेसिक कक्षाओं में इस स्तर की शिक्षा की व्यवस्था है ।

2--पूर्व माध्यमिक शिक्षा के विस्तार हेतु वर्ष 1972-73 में बालकों के 100 तथा बालिकाओं के 97 सीनियर बेसिक स्कूल खोले गये । 1,010 अतिरिक्त अध्यापकों की नियुक्ति की गई । वर्ष 1973-74 में 30 बालकों के एवं 30 बालिकाओं के सीनियर बेसिक स्कूल खोले गये । 397 अतिरिक्त अध्यापकों की नियुक्ति की गई ।

3--मान्यता प्राप्त गैर सरकारी वित्तीय सहायता न पाने वाले 100 सीनियर बेसिक स्कूलों को वर्ष 1972-73 में अनुदान सूची पर लाया गया । वर्ष 1973-74 में ऐसे 90 विद्यालयों को अनुदान सूची पर लाया गया है ।

4--जहां बालिकाओं के सीनियर बेसिक स्कूल खोलना संभव नहीं है वहां जूनियर बेसिक स्कूलों में क्रमोत्तर कक्षा खोल कर इस स्तर की शिक्षा सुलभ की जाती है । वर्ष 1972-73 में 40 अनुवर्ती कक्षायें खोली गईं । वर्ष 1973-74 में 20 क्रमोत्तर कक्षायें खोलने की व्यवस्था की गई है।

5--निर्धन छात्राओं के लिये इस स्तर के विद्यालयों को पाठ्य पुस्तक पुस्तकालय स्थापना हेतु वर्ष 1972-73 में 87 विद्यालयों को अनुदान दिया गया । वर्ष 1973-74 में भी 87 विद्यालयों को पाठ्य पुस्तक पुस्तकालय स्थापना हेतु अनुदान स्वीकृत किया गया ।

6--पुनर्व्यवस्थित सीनियर बेसिक विद्यालयों में कृषि शिक्षा की व्यवस्था हेतु वर्ष 1972-73 में 10 विद्यालयों को अनुदान स्वीकृत किया गया । वर्ष 1973-74 में भी 10 विद्यालयों को कृषि शिक्षा के विकास के लिये अनुदान स्वीकृत किया गया है ।

7--विज्ञान शिक्षा की बढ़ती हुई मांग को ध्यान में रख कर इस स्तर पर विज्ञान शिक्षा के अध्यापन की सुविधा के लिये वर्ष 1972-73 में 50 विद्यालयों को विज्ञान विषय को पढ़ाने की व्यवस्था हेतु अनुदान स्वीकृत किया गया । वर्ष 1973-74 में 75 विद्यालयों को विज्ञान विषय के अध्यापन हेतु अनुदान स्वीकृत किया गया।

*(नोट--वर्ष 1972-73 के आंकड़े अस्थायी हैं)

8—सीनियर बेसिक स्तर पर प्रशिक्षित करने के लिये प्रशिक्षण संस्थाओं की संख्या निम्नलिखित है:--

		पुरुष	महिला
1--राजकीय जूनियर बेसिक ट्रेनिंग कालेज ..	..	4	–
2--अशासकीय जूनियर बेसिक ट्रेनिंग कालेज ..	..	1	–
3--राजकीय सी0टी0 ट्रेनिंग कालेज ..	..	–	3
4--अशासकीय सी0टी0 ट्रेनिंग कालेज ..	..	–	1
5--राजकीय गृह विज्ञान सी0टी0 ट्रेनिंग कालेज	..	–	1
6--राजकीय शारीरिक प्रशिक्षण महाविद्यालय ..	..	1	1
7--अशासकीय शारीरिक प्रशिक्षण महाविद्यालय	..	2	–
योग	..	8	6

9--बेसिक शिक्षा के स्तर को उन्नत रखने के लिए इस समय निरीक्षकों एवं निरीक्षिकाओं की संख्या निम्नवत है:--

निरीक्षक/निरीक्षिका				संख्या
1--जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी	..	..	..	54
2--अतिरिक्त जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (महिला)		..	..	25
3--उप विद्यालय निरीक्षक	..	..	..	54
4--उप विद्यालय निरीक्षिका	..	..	..	51
5--अतिरिक्त उप विद्यालय निरीक्षक	..	..	..	36
6--प्रति उप विद्यालय निरीक्षक	..	..	..	1,089
7--सहायक बालिका विद्यालय निरीक्षिका	..	..	..	279
8--स्टोर कीपर बालाहार योजनान्तर्गत	..	..	..	18

10--शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार दिलाने की योजना के अन्तर्गत नवम्बर, 1973 से 1000 और उर्दू अध्यापक जूनियर हाई स्कूलों में नियुक्त किये गये।

11--शैक्षिक कार्य-क्रम में समाजोपयोगी-श्रम के महत्व को यथा स्थान देने तथा बेसिक शिक्षा के कार्यक्रमों को नई दिशा देने की दृष्टि से प्रदेश के सभी बेसिक विद्यालयों में समाजोपयोगी उत्पादक कार्य को व्यवस्थित ढंग से एक घण्टा प्रतिदिन विद्यालयी कार्यकाल में देकर कराया गया है जिसमें टाट पट्टी बनाना, डेस्क बनाना, सड़क निर्माण का कार्य करना, विद्यालय के भवन निर्माण, मोमबत्ती बनाना तथा अन्य समाजोपयोगी कार्य सम्मिलित किये गये। प्रथम बार लखनऊ में 28 दिसम्बर, 1973 से 1 जनवरी, 1974 तक इन उत्पादक कार्यों की एक प्रदर्शनी आयोजित की गयी जिसमें 53 जनपदों ने भाग लिया। प्रत्येक जनपद के बेसिक विद्यालयों से 100 बालक/बालिकायें, 10 अध्यापक बाल एवं युवक समारोह में सम्मिलित हुए। प्रदर्शनी के साथ-साथ खेल-कूद तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रतियोगिता आयोजित की गयी जिसमें आये हुये सभी जनपदों ने भाग लिया। उद्देश्य यह है कि बच्चे श्रम के महत्व को समझें, श्रम में रुचि लें उनका शरीर हृष्ट-पुष्ट हो तथा बड़े होने पर सही अर्थ में वे समाजोपयोगी नागरिक बन सकें।

12--शैक्षिक उन्नयन की दिशा में मूल्यांकन में सुधार की दृष्टि से मिनिमा टेस्ट के माध्यम से नियमित मूल्यांकन की व्यवस्था प्रारम्भ की गयी। इससे शिक्षा के स्तर को ऊपर उठाने में बल मिला।

अध्याय 4

माध्यमिक शिक्षा

1--1947 में स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की मांग मुखरित हुई। तत्पश्चात प्रदेश में प्रति वर्ष उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई। विद्यालयों की संख्या में वृद्धि के साथ-साथ अध्यापकों एवं छात्रों की संख्या में वृद्धि का अनुमान नीचे की तालिका से किया जा सकता है:--

वर्ष		स्कूल		अध्यापक		छात्र	
		बालक	बालिका	पुरुष	महिला	बालक	बालिका
1945–46	..	356	86	7,398	1,417	1,56,133	23,315
1972–73*	..	3,220	625	69,579	16,486	20,06,529	5,32,043

2--माध्यमिक विद्यालयों की संख्या में वृद्धि एवं इस स्तर की शिक्षा में प्रगति की दिशा में जनता/प्राइवेट संस्थाओं का योगदान प्रशंसनीय रहा है। अशासकीय विद्यालयों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने की दृष्टि से मान्यता प्राप्त विद्यालयों को शासन द्वारा अनुदान देने की नीति अपनाई गई है। वर्ष 1973–74 में 250 विद्यालयों को अनुदान सूची पर लाने का लक्ष्य निर्धारित था किन्तु लक्ष्य पार करके 312 विद्यालयों को अनुदान सूची पर लाया गया।

3--जिन स्थानों पर इस स्तर की शिक्षा का प्रबन्ध नहीं है वहां शासकीय विद्यालय खोल कर तथा राजकीय जूनियर हाई स्कूल को उच्चीकृत करके शिक्षा की व्यवस्था की जाती है। वर्ष 1972–73 में कोई भौतिक लक्ष्य नहीं था परन्तु शासन की स्वीकृति से 8 नये राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की स्थापना की गई तथा एक बालकों के एवं 12 बालिकाओं के राजकीय जूनियर हाई स्कूलों को हाई स्कूल स्तर तक उच्चीकृत किया गया। वर्ष 1972-73 में 3 राजकीय हाई स्कूलों को इण्टरमीडियेट तक उच्चीकृत करने का लक्ष्य था परन्तु शासन की स्वीकृति के लक्ष्य के विपरीत 7 (3 बालकों के तथा 4 बालिकाओं के) राजकीय स्कूलों को इण्टर स्तर पर उच्चीकृत किया गया। वर्ष 1973-74 में बालक बालिकाओं के राजकीय हाई स्कूल खोलने तथा राजकीय जूनियर हाई स्कूल को हाई स्कूल स्तर पर उच्चीकृत करने का कोई लक्ष्य नहीं था परन्तु शासन ने अपने स्तर पर 3 राजकीय बालक हाई स्कूलों को खोलने तथा 3 राजकीय कन्या जूनियर हाई स्कूलों को हाई स्कूल स्तर पर उच्चीकृत करने की स्वीकृति प्रदान की है। वर्ष 1973-74 में 3 राजकीय हाई स्कूलों को इन्टर स्तर पर उच्चीकृत करने का लक्ष्य था परन्तु शासन की स्वीकृति पर 5 राजकीय कन्या हाई स्कूलों को इन्टर स्तर पर उच्चीकृत किया गया।

4--उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में पुस्तकालयों की दशा सुधारने के लिये वर्ष 1972--73 में 35 राजकीय एवं 71 अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। वर्ष 1973--74 में 40 राजकीय तथा 84 अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों को पुस्तकालय सुधार हेतु आर्थिक सहायता प्रदान की गई है।

5--अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में बहुधा क्रीड़ास्थल का अभाव रहता है। इस अभाव को दूर करने के लिये वर्ष 1972--73 में 13 विद्यालयों को क्रीड़ास्थल की व्यवस्था हेतु अनुदान स्वीकृत किया गया था। वर्ष 1973--74 में 10 विद्यालयों को क्रीड़ास्थल की व्यवस्था हेतु अनुदान स्वीकृत किया गया।

*टिप्पणी-- 1972–73 के आंकड़े अस्थायी हैं।

6---अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में जहां छात्र संख्या अधिक है सज्जा, काष्ठोपकरण एवं भवन की कठिनाई का अनुभव हो रहा है। इस कठिनाई को दूर करने के लिये शासन ने आर्थिक सहायता देना निश्चित किया है। वर्ष 1972-73 में 52 विद्यालयों को अतिरिक्त छात्र संख्या हेतु अनुदान स्वीकृत किया गया था। वर्ष 1973-74 में 54 विद्यालयों को यह अनुदान स्वीकृत किया गया है। इसके अतिरिक्त वर्ष 1972-73 में 15 तथा 1973-74 में 17 राजकीय विद्यालयों को अतिरिक्त छात्र संख्या हेतु सुदृढ़ी किया गया है।

7---विज्ञान शिक्षा की बढ़ती हुई मांग की पूर्ति के लिए विज्ञान प्रयोगशालाओं के निर्माण, वैज्ञानिक उपकरणों का प्रबन्ध और वैज्ञानिक पुस्तकों की व्यवस्था हेतु वर्ष 1972-73 में 42 अशासकीय सहायता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को विज्ञान की उन्नति के लिये अनुदान स्वीकृत किया गया। वर्ष 1973-74 में 38 विद्यालयों को यह अनुदान स्वीकृत किया गया। इसके अतिरिक्त वर्ष 1972-74 में 19 राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में विज्ञान अध्यापन की सुविधायें प्रदान की गई।

8---बालकों के विद्यालयों में पढ़ने वाली बालिकाओं के लिए विशेष सुविधा प्रदान करने हेतु वर्ष 1972-73 में 18 तथा वर्ष 1973-74 में 20 विद्यालयों को अनुदान दिया गया।

9---बालिका विद्यालयों को बसों की व्यवस्था हेतु वर्ष 1972-73 में 5 राजकीय तथा 5 अशासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को अनुदान स्वीकृत किया गया। वर्ष 1973-74 में 5 अशासकीय बालिका विद्यालयों को बसों के क्रय हेतु अनुदान स्वीकृत किया गया।

10---माध्यमिक शिक्षा की उचित देखभाल के लिए इस समय मण्डलीय एवं जिला स्तर पर अधिकारियों की संख्या निम्नलिखित है---

अधिकारी	संख्या
1---मण्डलीय उप शिक्षा निदेशक	11
2---मण्डलीय बालिका विद्यालय निरीक्षिका	10
3---विज्ञान प्रगति अधिकारी	11
4---जिला विद्यालय निरीक्षक श्रेणी-1	35
5---जिला विद्यालय निरीक्षक श्रेणी-2	19
6---सह जिला विद्यालय निरीक्षक	25
7---जिला बालिका विद्यालय निरीक्षिका	4

11---निर्धन एवं मेधावी छात्रों की सुविधा के लिए उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में पाठ्य पुस्तक पुस्तकालयों की व्यवस्था हेतु वर्ष 1972-73 में 77 विद्यालयों के स्थान पर 66 विद्यालयों को अनुदान स्वीकृत किया गया। वर्ष 1973-74 में 87 विद्यालयों में पाठ्य पुस्तक पुस्तकालय की व्यवस्था हेतु अनुदान दिया गया।

12---छात्रवृत्तियां एवं अन्य आर्थिक सहायतायें---माध्यमिक शिक्षा के लिए निर्धन एवं मेधावी छात्रों एवं छात्राओं को प्रोत्साहन प्रदान करने तथा अध्ययन हेतु विभिन्न प्रकार की छात्रवृत्तियां एवं अन्य आर्थिक सहायता आयोजनेतर बजट से दी जाती है। इसके अतिरिक्त ऋण छात्रवृत्तियां तथा राष्ट्रीय ऋण छात्रवृत्तियां भी प्रदान की जाती है। आयोजनागत बजट में 15 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रदेश के चुन हुए विद्यालयों में अध्ययन हेतु आर्थिक

सहायता प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त कक्षा 9--12 में अतिरिक्त मेरिट छात्रवृत्तियां देने की व्यवस्था की गई है।

13--उत्तम अनुशासन तथा परीक्षाफल के लिए अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को दक्षता अनुदान दिया जाता है। वर्ष 1972-73 में 60 विद्यालयों को दक्षता अनुदान दिया गया। वर्ष 1973-74 में 60 विद्यालयों को अनुदान दिया गया।

14--अध्यापक प्रशिक्षण--इस स्तर पर प्रशिक्षित अध्यापक सुलभ करने के लिए इस समय प्रदेश में चार राजकीय तथा 8 अशासकीय एल0टी0 प्रशिक्षण महाविद्यालय हैं। इनमें से एक राजकीय तथा एक अशासकीय एल0टी0 प्रशिक्षण महाविद्यालय महिलाओं के लिए है। पुरुषों के अशासकीय एल0टी0 प्रशिक्षण महाविद्यालयों में भी महिला अभ्यर्थियों का प्रवेश होता है। इसके अतिरिक्त राजकीय बेसिक ट्रेनिंग कालेज, वाराणसी में 50 प्रतिशत स्थान महिलाओं के लिए प्रवेशार्थ निर्धारित है। वर्ष 1973 की एल0टी0 परीक्षा का विवरण निम्नवत है--

परीक्षा	पंजीकृत		सम्मिलित		उत्तीर्ण	
	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
एल0टी0 (सामान्य)	715	446	689	437	567	367
एल0टी0 (रचनात्मक)	154	44	143	44	126	41
एल0टी0 (बेसिक)	84	50	84	48	69	26
एल0टी0 (हिन्दी)	6	--	3	--	3	--

वर्ष 1973 के ग्रीष्मावकाश में गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान एवं जीव विज्ञान विषयों में शिक्षण प्रशिक्षण हेतु क्रैश प्रोग्राम के अन्तर्गत कार्यशालायें आयोजित की गई और हाई स्कूल के शिक्षकों के लिए इन चार विषयों में शिक्षक निर्देशिका तैयार कराई गई।

15--माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापकों को अपनी अर्हतायें बढ़ाने के लिये प्रोत्साहन हेतु वर्ष 1972-73 में 28 अध्यापकों को 33,000 रु0 दक्षता पुरस्कार प्रदान किया गया। वर्ष 1973-74 में 47 अध्यापकों/अध्यापिकाओं को अपनी योग्यता बढ़ाने के लिये प्रोत्साहन हेतु दक्षता पुरस्कार प्रदान किया गया।

माध्यमिक शिक्षा परिषद की परीक्षाओं से सम्बन्धित विभिन्न कार्यों के पारिश्रमिक की दरें बढ़ाई गयीं।

16--उत्तर प्रदेश वेतन आयोग 1971-73 की संस्तुतियों को सार रूप में स्वीकार करते हुये शासन ने राज्य निधि से सहायता प्राप्त करने वाले उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों (हाई स्कूलों तथा इंटरमीडिएट कालेजों) के शिक्षकों तथा शिक्षणेतर कर्मचारियों को 1-8-1972 से वही वेतनमान प्रदान कर दिये जो वेतन आयोग ने अपने प्रतिवेदन में इन शिक्षकों तथा शिक्षणेतर कर्मचारियों के लिये संस्तुत किये थे। इसके पश्चात शासन ने यह निर्णय किया कि 1-11-1973 से इन शिक्षकों तथा शिक्षणेतर कर्मचारियों को वही वेतनमान दे दिये जांय जो समकक्षीय राजकीय विद्यालयों के शिक्षकों तथा शिक्षणेतर कर्मचारियों को अनुमन्य हैं। अब साहय्यिक तथा राजकीय दोनों ही प्रकार के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों (हाई स्कूलों तथा इंटर मीडिएट कालेजों) के शिक्षकों को समान वेतनमान तथा समान दर पर मंहगाई भत्ता अनुमन्य है।

17--अनुग्रह पेन्शन--शासन ने राजाज्ञा संख्या 9/1/47/पन्द्रह--2007 (8)-1972, दिनांक 28 अप्रैल, 1973 द्वारा लाभत्री योजना के अधीन सहायता प्राप्त शिक्षा संस्थाओं के

1 अक्टूबर, 1964 के पूर्व सेवा निवृत्त, जीवित एवं स्थायी अध्यापकों तथा अन्य कर्मचारियों को उनके आहरित वेतन के 1/5 भाग के बराबर मासिक अनुग्रह पेन्शन 1 नवम्बर, 1972 से देने की स्वीकृति प्रदान की है ताकि उनके आर्थिक संकट का कुछ सीमा तक निवारण हो सके। इसके लिए शासन ने वर्ष 1973-74 में 10,000 रु0 अग्रिम लिए जाने की स्वीकृति प्रदान की है।

18--वेतन वितरण अधिनियम--सहायता प्राप्त हाई स्कूलों तथा इन्टर कालेजों के अध्यापकों एवं कर्मचारियों के वेतन वितरण के लिए जनवरी, 1971 में अध्यादेश जारी किया गया था। इस अध्यादेश के कार्यान्वियन में जो त्रुटियां पाई गई उनको दूर करके अगस्त, 1971 में वेतन वितरण अधिनियम, 1971 पारित किया गया। इस अधिनियम द्वारा सहायता प्राप्त विद्यालयों के अध्यापकों को समय से वेतन वितरण की व्यवस्था की गई है जिससे अध्यापकों में व्याप्त असंतोष दूर हो गया है।

19--गैर सरकारी संस्थाओं की अध्यापिकाओं को राजकीय अध्यापिकाओं की भांति प्रसूति का अवकाश स्वीकार किये जाने के आदेश निर्गत कर दिये गये हैं।

20--यूनिसेफ की एक योजना के अन्तर्गत राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान, उ0 प्र0 इलाहाबाद के तत्वाधान में माध्यमिक, जूनियर हाई स्कूल एवं प्राइमरी स्कूलों के अध्यापकों के प्रशिक्षण का त्वरित प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया गया जिसके अधीन लगभग 1,000 अध्यापक प्रशिक्षित किये जा चुके हैं।

21--माध्यमिक शिक्षा परिषद की परीक्षा के लिए विनियम संशोधन (क) अध्याय, बारह-एक नवीन विनियम निम्नवत रुप में सम्मिलित किया गया--

"34--(क) 1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध में प्राण न्योछावर करने वाले भारतीय जवानों की विधवाओं को स्वावलम्बी बनाने का अवसर प्रदान करने की दृष्टि से कक्षा 8 अथवा उसके समकक्ष कोई परीक्षा उत्तीर्ण किये बिना ही सन् 1972 की परीक्षा से पांच वर्ष तक हाई स्कूल परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति विनियम 10 (1) (क) 1 अध्याय 12 क अन्तर्गत प्रतिबन्ध को शिथिल करके प्रदान की जाती है।

22--माध्यमिक शिक्षा परिषद् की 1974 के परीक्षा में परीक्षार्थियों की संख्या निम्नवत हो जाने का अनुमान है--

				रु0
1--हाई स्कूल परीक्षा	..	..	..	7,00,000
2--इन्टरमीडियेट परीक्षा	..	..	..	4,00,000

23--माध्यमिक शिक्षा परिषद का विकेन्द्रीकरण--परिषद के कार्यभार में वृद्धि हो जाने के कारण परिषद के विकेन्द्रीकरण की आवश्यकता पड़ी। फरवरी, 1972 से मेरठ में परिषद उप कार्यालय की स्थापना की गई है जिसमें मेरठ तथा आगरा मण्डल के सभी जिलों की परीक्षा एवं मान्यता सम्बन्धी कार्य हो रहा है।

24--माध्यमिक शिक्षा का राष्ट्रीयकरण--विगत कई वर्षों से अधिकांश शिक्षाविदों एवं अध्यापकों की यह राय रही है कि माध्यमिक विद्यालयों को राज्य अपने हाथ में ले ले ताकि इनकी वित्तीय कठिनाइयों का निराकरण हो सके तथा अध्यापकों एवं विद्यार्थियों को भी वांछित लाभ हो सके। शासन ने सिद्धान्त रुप से इस मांग को स्वीकार कर लिया है और इसके क्रियान्वयन के लिये शासन ने एक उच्चस्तरीय समिति गठित कर दी है जिसमें सभी सम्बन्धित पक्षों के प्रतिनिधि है।

25--प्रदेश के 180 राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्याल ों में त्रिभाषा सत्र के अन्तर्गत उर्दू की शिक्षा की व्यवस्था हेतु प्रत्येक विद्यालय के लिये एक अध्यापक/अध्यापिका की दर से नियुक्ति

हेतु शासन द्वारा वर्ष 1973-74 में निम्नलिखित अस्थायी पदों के सृजित किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है:—

पदनाम		संख्या	वेतन-क्रम
			रु0
1—सहायक अध्यापक (उर्दू)	..	75	250-425
2—सहायक अध्यापिका (उर्दू)	..	105	250-425

26—माध्यमिक शिक्षा के व्यवसायीकरण हेतु सर्वेक्षण—माध्यमिक शिक्षा के व्यवसायीकरण के लिए एक अग्रगामी परियोजना सुल्तानपुर जिले में चलायी जा रही है। सर्वेक्षण का कार्य सह प्रोजेक्ट अधिकारी की देखभाल में अन्तिम चरण का कार्य पूर्ण किया जा रहा है। सुल्तानपुर जनपद की इस योजना के क्रियान्वयन के लिये शासन द्वारा इस वर्ष 80,000 रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई।

27—माध्यमिक शिक्षा परिषद् की हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षाओं के पाठ्क्रम एवं परीक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण परिवर्तन किये गये। गणित एवं विज्ञान के पाठ्यक्रम को आधुनिकतम बनाने का निश्चय किया। हाई स्कूल परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के केन्द्रीय मूल्यांकन की व्यवस्था की गई।

अध्याय–5

उच्च शिक्षा

1—भारत की स्वतंत्रता के पश्चात उत्तर प्रदेश में विश्वविद्यालयों और डिग्री कालेजों की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है। इस वृद्धि का अनुमान नीचे की तालिका से हो सकेगा :—

विवरण			विश्वविद्यालय		डिग्री कालेज	
			1945-46	1971-72	1945-46	1971-72
संख्या	..	..	5	11	12	263
छात्र संख्या	..	..	10,335	58,657	18,428	1,48,467
अध्यापक	..	..	895	3,996	448	7,275

2—ग्यारह विश्वविद्यालयों में एक रुड़की स्थित इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय एक पन्तनगर (नैनीताल) स्थित कृषि विश्वविद्यालय तथा एक वाराणसी स्थित संस्कृत विश्वविद्यालय है। शेष 8 विश्वविद्यालय लखनऊ, आगरा, इलाहाबाद, वाराणसी, गोरखपुर, अलीगढ़, कानपुर तथा मेरठ में है।

3—प्रदेश के पर्वतीय अंचलों में कुमाऊं तथा गढ़वाल मंडलों में दो विश्वविद्यालय 1 दिसम्बर, 1973 से स्थापित किये गये है।

4—प्रदेश में इस समय राजकीय डिग्री कालेजों की संख्या 18 है। इसमें से 12 राजकीय डिग्री कालेजों की स्थापना चतुर्थ पंचवर्षीय योजना काल में की गई है। वर्ष 1969-70 में कला संकाय से एक-एक राजकीय डिग्री कालेज टेहरी एवं उत्तरकाशी में खोला गया। इसके अतिरिक्त राजकीय महाविद्यालय उत्तरकाशी में बी0 एड0 कक्षायें भी प्रारम्भ की गई। राजकीय रजा डिग्री कालेज रामपुर में पांच अतिरिक्त विषयों मे स्नातकोत्तर कक्षायें तथा बी0 ए0 में संस्कृत विषय प्रारम्भ किया गया। राजकीय महाविद्यालय ज्ञानपुर (वाराणसी) में एम0 एस0-सी0 (भौतिक तथा रसायन विज्ञान) कक्षाओं में 15 छात्रों के लिये अतिरिक्त अनुभाग खोला गया। वर्ष 1971–72 में कला संकाय से राजकीय डिग्री कालेज, पौड़ी (गढ़वाल) तथा कोटद्वार गढ़वाल में खोला गया। राजकीय डिग्री कालेज, श्रीनगर (गढ़वाल) तथा पिथौरागढ़ में जुलाई, 1971 से एम0ए0 तथा एम0 एस-सी0 कक्षायें प्रारम्भ की गई। वर्ष 1972-73 में राजकीय महा विद्यालय जखनी (वाराणणी) जैहरीखाल (लैन्स डाउन) में जुलाई, 1972 मे खोला गया। राजकीय महाविद्यालय जखनीं (वाराणसी) मे कला विज्ञान तथा कृषि संकाय में और जैहरी खाल (लैन्स डाउन) में केवल विज्ञान संकाय में कक्षायें प्रारम्भ की गयीं। राजकीय महाविद्यालय श्री नगर (गढ़वाल) में बी0 एड0 कक्षायें प्रारम्भ करने की अनुमति प्रदान की गयी। जुलाई 1972 से राजकीय डिग्री कालेज पौड़ी (गढ़वाल) गोपेश्वर (चमोली) में विज्ञान संकाय से कक्षायें प्रारम्भ की गई। डिग्री कालेज अल्मोड़ा का जुलाई 1972 से प्रान्तीय करण किया गया। इस महाविद्यालय में स्नातकोत्तर स्तर तक कला, विज्ञान एवं वाणिज्य विषयों की शिक्षा दी जाती है। वर्ष 1973–74 मे ऋषिकेश (देहरादून), दुध्धी (मिर्जापुर) रानीं खेत (अल्मोड़ा) तथा वाराणसी (चन्दौसी) में राजकीय महाविद्यालय जुलाई, 1973 से खोले गये। राधे हरि महाविद्यालय काशीपुर (नैनीताल) का

1–7–73 से प्रान्तीयकरण किया गया। राजकीय महाविद्यालय टेहरी में बी0 एड0 एवं विज्ञान कक्षायें खोलने की अनुमति 1973–74 में प्रदान हुई है। वर्ष 1973–74 में राजकीय महाविद्यालय श्रीनगर (गढ़वाल) में एम0 एड0 कक्षायें तथा वाटनीं, जुलोजी स्नातकोत्तर स्तर तक पढ़ाने के संबन्ध में आदेश प्रसारित कर दिये गये हैं।

5—चतुर्थ पंचवर्षीय योजना काल के प्रथम चार वर्षों में 38 अशासकीय महाविद्यालयों को अनुदान सूची पर लाया जा चुका है। वर्ष 1973–74 में 14 अशासकीय उपाधि महाविद्यालयों को अनुदान सूची पर लाया गया है।

6—प्रदेश के चुने हुये डिग्री कालेजों को योग्यता अनुदान स्वीकृत किया जाता है। इस वर्ष 10 उपाधि महाविद्यालयों को 75,000 रुपया योग्यता अनुदान स्वीकृत किया गया है।

7—चतुर्थ पंच वर्षीय योजना में उपाधि महाविद्यालयों में शारीरिक शिक्षा अधीक्षकों की नियुक्ति हेतु अनुदान स्वीकृत किया जाता है। वर्ष 1973–74 में 10 महाविद्यालयों में शारीरिक शिक्षा अधीक्षकों की नियुक्ति हेतु अनुदान स्वीकार किया गया है।

8—उच्च शिक्षा के विकास के लिये विश्वविद्यालयों एवं डिग्री कालेजों को विकास अनुदान स्वीकृत किया जाता है।

9—विश्वविद्यालयों तथा डिग्री कालेजों से संबन्धित उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय विधेयक विधान परिषद् द्वारा मई 1973 में पारित किया गया था। तत्पश्चात् विधेयक को उ0 प्र0 राज्य विश्वविद्यालय अध्यादेश 1973 के रुप में 12 जून, 1973 को प्रख्यापित किया गया। यह अध्यादेश अब उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 (राष्ट्रपति अधिनियम संख्या 10, 1973) के रुप में कतिपय विश्वविद्यालयों से संबन्धित विधि का संशोधन और समेकन करने के लिये उत्तर प्रदेश असाधारण गजट दिनांक 2 सितम्बर, 1973 को प्रकाशित किया गया है। उपर्युक्त अधिनियम द्वारा काशी विद्यापीठ वाराणसी को 15 जनवरी, 1974 से विश्वविद्यालय का स्तर प्राप्त हो गया है। गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, सहारनपुर के यूनिवर्सिटी जैसी संस्था (इन्स्टीट्यूशन डीम्ड एज यूनिवर्सिटी) के स्तर के प्राप्त हो चुका है। इस अधिनियम के द्वारा बी0 ए0, बी0 काम0, एम0 काम परीक्षा में व्यक्तिगत परीक्षार्थी के रुप में सम्मिलित होने की सुविधा सुलभ की गई है। जिससे हर वर्ग के छात्र लाभान्वित होंगे।

10—विश्वविद्यालयों के हिन्दी के माध्यम से अध्यापन के लिये जनता की मांग कई वर्षों से हो रही थी। हिन्दी में उच्च शिक्षा के लिये उच्चस्तर की पाठ्य पुस्तकों के अभाव के कारण हिन्दी के माध्यम से विश्वविद्यालयों में अध्यापन कार्य सम्भव नहीं हो रहा था। अतः विश्वविद्यालयों में हिन्दी के माध्यम से अध्यापन का मार्ग प्रशस्त करने के लिये विश्वविद्यालय स्तर की पाठ्यपुस्तकों की रचना तथा अनुवाद हिन्दी में करने की व्यवस्था हेतु चतुर्थ योजना के प्रथम वर्ष में हिन्दी ग्रंथ अकादमी स्थापित की गई है।

11—इलाहाबाद, लखनऊ, गोरखपुर, विश्वविद्यालयों में सहकारी वाचनालय खोले गये हैं। सहकारी वाचनालय से पूरे सत्र के लिये पाठ्यपुस्तक देने के लिये व्यवस्था की जाती है इससे निर्धन एवं मेधावी छात्रों को अत्यधिक लाभ पहुंचा है।

12—विश्वविद्यालयों के छात्रों की सेवायोजन सम्बन्धी सूचना सुलभ करने के लिये छात्र सेवा योजन ब्यूरो स्थापित किये गये हैं। छात्रों की समस्याओं तथा उनमें अनुशासन का स्तर उच्च रखने के लिये विश्वविद्यालय तथा डिग्री कालेजों में छात्रों के कल्याण हेतु छात्र कल्याण अधिष्ठाता के पद सृजित किये गये हैं। जिन पर अनुभवी एवं प्रतिष्ठित प्रोफेसर नियुक्त किये जाते हैं।

13—विश्वविद्यालयों एवं डिग्री कालेजों के प्रतिभाशाली एवं परिश्रमी छात्रों को प्रोत्साहन देने तथा उनकी शिक्षा में व्यवधान दूर करने के लिये विभिन्न प्रकार की छात्रवृत्तियां और ऋण छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती है। निर्धन छात्रों की सुविधा के लिय अन्य आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

अध्याय–6

विविध

1--संस्कृत शिक्षा—संस्कृत शिक्षा के उत्थान के लिए पाठशालाओं के विकास हेतु शासन ने पहले की अपेक्षा अनुदान में अधिक वृद्धि की है। वर्ष 1960-61 की अपेक्षा 1972-73 में सहायता प्राप्त पाठशालाओं की संख्या क्रमशः 635 से बढ़कर 830 हो गयी। वर्ष 1972-73 में इन विद्यालयों को लगभग 54 लाख रुपया नान प्लान बजट के अन्तर्गत अनुरक्षण अनुदान दिया गया। प्लान योजना के अन्तर्गत 12 विद्यालयों को प्रारम्भिक अनुदान तथा 41 विद्यालयों को भवन, सज्जा तथा पुस्तकालय अनुदान स्वीकृत किया गया। वर्ष 1972-73 में 75 संस्कृत के विद्वानों को 84,540 रुपए की धनराशि प्रदान की गई। एक संस्कृत विद्वान को राज्य पुरस्कार तथा एक संस्कृत विद्वान को राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

संस्कृत शिक्षा के सुदृढ़ीकरण के निमित्त प्लान योजनान्तर्गत 2 क्षेत्रीय सहायक निरीक्षक तथा मुख्यालय पर उप शिक्षा निदेशक संस्कृत की नियुक्ति की गयी।

2--अरबी, फारसी शिक्षा—प्रदेश में अरबी-फारसी मदरसों की संख्या जिन्हें सरकार से सहायता मिलती है 123 हैं। वर्ष 1972-73 में 6 मदरसों को मान्यता प्रदान की गयी और 2 मदरसों को प्रारम्भिक अनुदान दिया गया। इन मदरसों को अनुरक्षण अनुदान तदर्थ वेतन वृद्धि और अन्तरिम सहायता भी प्रदान की गयी है। वर्ष 1972-73 में मदरसों की शिक्षा के विस्तार हेतु 10 मदरसों को पुस्तकालय अनुदान 7 मदरसों को सज्जा अनुदान तथा 5 को भवन अनुदान दिया गया है।

अरबी, फारसी की 5 परीक्षायें होती हैं। इन परीक्षाओं के लिये एक बोर्ड है। बोर्ड ही आवश्यकतानुसार पाठ्यक्रम में सुधार करता है। मदरसों की देख-रेख के लिये एक निरीक्षक है जो अरबी, फारसी, परीक्षाओं के रजिस्ट्रार भी हैं और उर्दू माध्यम विद्यालयों के भी निरीक्षक हैं। वर्ष 1973 की परीक्षाओं में कुल 1,092 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए जिनमें से 656 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए।

3--आंग्लि भारतीय शिक्षा--प्रदेश में 55 आंग्ल भारतीय विद्यालय हैं इनमें से एक शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालय हैं। इन विद्यालयों में शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है। इनके पाठ्य-क्रम में हिन्दी, संस्कृत तथा भारतीय इतिहास वैकल्पिक विषय के रूप में पढ़ाये जाते हैं। कुछ विद्यालयों की परीक्षा कौंसिल फार इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट इक्जामिनेशन, नई दिल्ली द्वारा संचालित होती है। कुछ विद्यालयों को माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा मान्यता प्रदान की गयी है। जनपद नैनीताल के जिला विद्यालय निरीक्षक इन विद्यालयों के भी निरीक्षक हैं।

4—सामाजिक शिक्षा--(क) शिक्षा प्रसार विभाग--इस विभाग द्वारा प्रौढ़ शिक्षा का कार्य समाज शिक्षा और श्रव्यदृश्य शिक्षा दो भागों में हो रहा है। साक्षरता बनाये रखने एवं नये ज्ञान को जन-जन तक पहुंचने के उद्देश्य से प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में 1,400 राजकीय शिक्षा प्रसार पुस्तकालय तथा 3,600 ग्रामीण वाचनालय चलाये जा रहे हैं। जहां राजकीय ग्रामीण पुस्तकालय नहीं हैं वर्ष 1972-73 में प्रदेश के 5 जनपदों के 12 प्राइवेट पुस्तकालयों को रुपया 984 अनुदान उप विद्यालय निरीक्षकों की संस्तुतियों पर दिया गया। सामाजिक शिक्षा के कार्यक्रम को सम्पादित करने के लिये चार सचल दल कार्यरत हैं तथा 'नवज्योति' नामक मासिक पत्रिका को प्रकाशित कर निःशुल्क ग्रामीण पुस्तकालयों को भेजी जाती है। नव-साक्षरोपयोगी साहित्य के अन्तर्गत 1972-73 में तीन पुस्तकों (1--बाबा शेख फरीद, 2—शिक्षा प्रद लोक कथायें,

3--रानी रूपमती) की पांडुलिपियां तैयार की गयी। चलचित्र निर्माण केन्द्र द्वारा अब तक 144 फिल्मों का निर्माण किया गया। वर्ष 1972-73 में 4 फिल्में पूर्ण हुई प्रदेश की शैक्षिक संस्थाओं शासकीय विभागों एवं निजी संगठनों को चल चित्र उधार दिये जाते हैं। इसके अतिरिक्त श्रव्य दृश्य प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा अध्यापक/अध्यापिकाओं को श्रव्य दृश्य शिक्षा प्रणाली से अवगत कराने के उद्देश्य से प्रशिक्षण की व्यवस्था है। वर्ष 1972-73 में 28 अध्यापकों को प्रशिक्षित किया गया।

(ख) राजकीय केन्द्रीय पुस्तकालय--जनपद इलाहाबाद में सन् 1949 में स्थापित किया गया। मार्च, 1973 तक इस पुस्तकालय में संग्रहीत 39,118 पुस्तकें थीं। तथा 3,003 ग्रहीता हो चुके थे। जिला पुस्तकालयों में ग्रहीताओं की संख्या 6,500 व संग्रहीत पुस्तकों की संख्या 75,500 हो चुकी थी। वर्ष 1972-73 से योजनान्तर्गत 1 वांगमय सूची (बांगला देश) व तीन त्रैमासिक सूची का प्रकाशन किया जा चुका है।

5--दक्षिण भारतीय भाषाओं की शिक्षा--भावात्मक एवं राष्ट्रीय एकता को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से दक्षिण भारतीय भाषाओं के शिक्षण की योजनान्तर्गत 1973-74 के आयोजनेत्तर बजट से लगभग 1,40,000 रुपए व्यय किये गये। मोतीलाल मेमोरियल सोसाइटी, लखनऊ द्वारा संचालित दक्षिण भारतीय भाषाओं (तामिल तथा तेलगू) का उच्च अध्ययन चल रहा है। भारत सरकार तथा प्रदेशीय शासन द्वारा प्रदान की गई आर्थिक सहायता से कन्नड़ तथा मलयालम भाषाओं की कक्षायें जनवरी, 1970 से चल रही हैं। परीक्षार्थियों का चतुर्थ बैच वर्ष 1974 की परीक्षा में सम्मिलित हुआ।

दक्षिण भारतीय भाषाओं के शिक्षण हेतु गैर सरकारी संस्थाओं को अनुदान दिये जाने की योजना के अन्तर्गत 1973-74 में मलयालम शिक्षण केन्द्र दोहरी घाट, आजमगढ़ को अनुदान स्वीकृत किया गया।

6--मनोविज्ञानशाला--मनोविज्ञानशाला, उत्तर प्रदेश द्वारा निम्नलिखित कार्य किये जाते हैं:--

(अ) निर्देशन, (ब) प्रशिक्षण, (स) चयन, (द) शोध (य) प्रकाशन तथा (र) व्यवसायिक सूचनाओं का प्रसारण। इन कार्यों के अन्तर्गत वर्ष 1972-73 में निम्नांकित कार्य किया गया--

(अ) निर्देशन (1)

	पंजीकृत संख्या	परीक्षित संख्या	आख्या प्रेषित
1	2	3	4
शैक्षिक	111	92	79
शैक्षिक व्यावसायिक	50	17	16
वैयक्तिक	79	36	30
योग ..	240	145	125
(2) बाल निर्देशन			
सामान्य	61	39	37
समस्यात्मक	37	22	22
मन्दबुद्धि	9	5	6
योग ..	107	66	65

(3) सामूहिक निर्देशन---प्रदेश के 9 विद्यालयों में सामूहिक निर्देशन कार्य सम्पन्न किया गया।

(ब) प्रशिक्षण---कैरियर मास्टरों का प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रदेश के इन्टर कालेजों के मनोविज्ञान का शिक्षा शास्त्र के चुने हुये सहायक अध्यापकों की दो बैचों में तीन-तीन मास का प्रशिक्षण दिया गया। 44 अध्यापकों में से 42 को सफलता प्राप्त हुई।

(स) चयन---(1) प्रदेश के विभिन्न राजकीय शिक्षण प्रशिक्षण संस्थाओं में प्रवेश हेतु 6,530 अभ्यर्थियों के लिये सामान्य बुद्धि परीक्षण, सामान्य ज्ञान एवं हिन्दी योग्यता परीक्षण तैयार किया गया साथ ही साथ इनकी उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन भी किया गया।

(2) अशासकीय विद्यालयों में आयु वर्ग 9---11 के छात्रों के प्रवेश के लिये भारत सरकार छात्रवृत्तियां चयन परीक्षा का सम्पादन कर 283 छात्रों को चुन कर उनका नाम भारत सरकार को अन्तिम परीक्षा के लिये भेजा गया।

(3) सैनिक स्कूल में प्रवेशार्थ, 4 इंटर कालेजों में कक्षा 9 के विज्ञान वर्ग चयन हेतु तथा स्थानीय राजकीय इन्टर कालेज में कक्षा 6 में प्रवेश के लिये मनोवैज्ञानिक परीक्षण देकर प्रधानाचार्यों को सहायता प्रदान की गयी।

(द) शोध कार्य---(1) विगत 25 वर्षों में वैयक्तिक निर्देशन से सम्बद्ध चार मुख्य मनोवैज्ञानिक परीक्षणों पर डेटा को आयु एवं कक्षा के आधार पर आंकड़े छांट कर उनका वर्गीकरण किया गया तथा फ्रीक्वेंसी डिस्ट्रीब्यूशन तैयार किया गया।

(2) मिनेसोटा पेपर फार्म बोर्ड सीरीज 'ए' पर 377 कक्षा 8 छात्रों के परीक्षण से उपलब्ध कोर्स के आधार पर नार्म्स बनाये गये तथा उनका उपयोग भी किया जा रहा है।

(य) प्रकाशन---मनोविज्ञानशाला में नैत्यिक कार्यों में प्रयुक्त होने वाली मनोवैज्ञानिक परीक्षण सामग्री को प्रकाशित कराया गया।

(र) व्यावसायिक सूचना प्रसारण---(1) शाला के व्यावसायिक केन्द्र में 14 विभिन्न प्रकार के व्यवसायों की जानकारी आगन्तुकों ने प्राप्त की (2) 5 स्थानीय इन्टर कालेजों के 984 तथा प्रदेश के अन्य 4 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों 420 छात्रों को व्यावसायिक वार्तायें प्रदान की गयी, (3) प्रशिक्षणार्थी कैरियर मास्टरों को केन्द्र के व्यवसाय कार्य-स्थलों पर ले जा कर जानकारी कराई गई तथा छात्रों के लिए विशेषज्ञों की वार्तायें आयोजित की गयी। (4) मनोविज्ञानशाला की कार्य विधि देखने देश विदेश के विभिन्न संस्थाओं के छात्र एवं अध्यापक आये।

7---राज्य हिन्दी संस्थान---इस संस्थान की स्थापना निम्नांकित उद्देश्य को ध्यान में रखकर 25 मार्च, 1971 को इलाहाबाद में हुई। 20 दिसम्बर, 1971 से यह वाराणसी में जिला मनोविज्ञानशाला द्वारा रिक्त हुये भवन में स्थानान्तरित होकर कार्यरत है।

क---(1) हिन्दी भाषा का विश्लेषण और भाषा सम्बन्धी विषय वस्तु का संकलन तथा क्रमायोजन, शब्दों, वाक्यांशों तथा वाक्यों की रचना, (2) हिन्दी भाषा का क्रियात्मक व्याकरण और अन्य भारतीय भाषाओं के साथ तुलनात्मक अध्ययन, (3) पाठ्य पुस्तकों के निर्माण के लिए सुझाव तथा निष्कर्ष तैयार करना और हिन्दी का प्रयोगात्मक कोष बनाना। (4) अन्य भाषाओं की महत्वपूर्ण पुस्तकों का हिन्दी में अनुवाद करना, (5) उपर्युक्त कार्यों से सम्बन्धित शोध-कार्य तथा प्रकाशन।

ख--(1) हिन्दीतर प्रदेशों के शिक्षकों तथा शिक्षाधिकारियों का सेवाकालीन प्रशिक्षण, (2) द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी शिक्षण विधि का विकास, (3) हिन्दी तथा अन्य क्षेत्रीय भाषाओं का तुलनात्मक कोष बानाना।

ग--(1) उत्तर के प्रदेश हिन्दी शिक्षकों तथा शिक्षाधिकारियों का सेवाकालीन प्रशिक्षण, (2) अल्प कालीन पाठ्यक्रमों, संगोष्ठियों और कार्य गोष्ठियों का आयोजन। संस्थान द्वारा पाठ्यक्रमों और कार्यगोष्ठियों में विभिन्न स्तरों के लगभग 500 अध्यापक और प्रति उप विद्यालय निरीक्षक प्रशिक्षित किये जा चुके हैं और विभिन्न स्तरों के लिये उपयुक्त शब्दों, बीज वाक्यों, वर्तनी तथा आख्याविधि पर शोध-कार्य किया गया है। पाठ्य-पुस्तक रचना के सम्बन्ध में भी काम किया गया है।

8--राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान--प्रदेश में विज्ञान शिक्षा के आधुनिकीकरण एवं उन्नयनार्थ वर्ष 1972-73 में संस्थान द्वारा किये गये कार्यों का विवरण निम्नलिखित है:--

(1) माध्यमिक स्तर पर नवीन पाठ्यक्रमों, शिक्षा विधियों, पाठ्य पुस्तकों एवं परीक्षण विधियों सुधार और सेवारत विज्ञान अध्यापकों के लिये अल्पकालीन प्रशिक्षण है।

(क) गत वर्ष विज्ञान की अन्य विशेष संस्थाओं के विशेषज्ञों तथा डिग्री कालेज स्तरीय विषय वस्तु विशेषज्ञों की सहायता से विज्ञान पाठ्यक्रम तैयार किये गये।

(ख) शिक्षण विधियों में विज्ञान सम्बन्धी एवं उनके अनुपयोगों को वरीयता देने हेतु नये प्रकार के प्रश्न पत्रों का निर्माण-कार्य जारी रहा।

(ग) माध्यमिक स्तरीय भौतिकी शिक्षकों को प्रशिक्षित करने वाले 80 विश्वविद्यालयों तथा इन्टर स्तरीय विशेषज्ञों की दो गोष्ठियां संस्थान में आयोजित की गयीं।

(घ) प्रशिक्षण हेतु आवश्यक शिक्षण सामग्री तैयार कर वितरित की गई।

(2) प्रारम्भिक स्तर पर सबसे महत्वपूर्ण कार्य यूनिसेफ विज्ञान शिक्षा प्रोजेक्टके अन्तर्गत हो रहा है। इस समय योजना का पाइलेट प्रोजेक्ट इलाहाबाद और लखनऊ में स्थित 43 स्कूलों में मई, 1970 से चल रहा है।

कक्षा 3 की राष्ट्रीय कृत विज्ञान पाठय पुस्तक उर्दू में भी तैयार की गई। पाइलट स्कूलों के विज्ञान शिक्षकों का प्रशिक्षण संस्थान में किया गया।

9--राज्य शिक्षा संस्थान--संस्थान में निम्नलिखित प्रस्तावित रूप-रेखा के आधार पर कार्य प्रारम्भ किया गया है।

(क) शैक्षिक उन्नयन हेतु प्रशिक्षण के अन्तर्गत संधन पुनर्शिक्षण कार्यक्रम अनुसरण कार्य क्रम, अभीनवी कार्य, प्रशिक्षण संस्थाओं के शिक्षक प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण तथा नवीन उत्प्रेरक कार्य क्रम अपनाये जा रहे हैं।

(ख) शोध कार्य के अन्तर्गत ह्रास एवं अवरोध पाठ्यक्रम, संशोधन राष्ट्रीयकृत पुस्तक लेखन, अभ्यास पुस्तिका लेखन कक्षा 5 पर शोध किये जा रहे हैं।

(ग) प्रकाशन कार्य के अन्तर्गत प्रकाशन समाचार संस्थान विचार के अतिरिक्त शोध पत्रक आदि प्रकाशित हो रहे हैं।

(घ) संस्थान द्वारा तथा प्राथमिक प्रसार सेवा केन्द्र द्वारा प्रसार कार्य किया जा रहा है।

(ङ) पत्राधारित प्रणाली द्वारा प्रशिक्षण के अन्तर्गत 550 प्रशिक्षार्थियों का चयन, पाठों का संशोधन, मुद्रण एवं प्रेषण तथा प्रशिक्षण को प्रभावकारी बनाने के लिये मूल्यांकन एवं परीक्षा व्यवस्था सम्बन्धी कार्य हो रहा है।

10--अंग्रेजी भाषा शिक्षण संस्थान--इसका मुख्य उद्देश्य अंग्रेजी शिक्षकों का प्रशिक्षण है । जूनियर हाई स्कूल के लिये उपर्युक्त पुस्तकों का लिखना तथा अन्य प्रकार के अंग्रेजी पढ़ाने के आधुनिक साधन एवं विधि तैयार करना भी संस्थान का प्रमुख कार्य रहा है । वर्ष 1972-73 तक लगभग 1,411 शिक्षकों ने डिप्लोमा कोर्स में प्रशिक्षण प्राप्त किया । इसके अतिरिक्त लगभग 1,058 शिक्षकों, शिक्षा विभागीय अधिकारियों, ट्रेनिंग कालेज के प्राध्यापकों ने ग्रीष्मकालीन शिविर में प्रशिक्षण या पुनः प्रशिक्षण प्राप्त किया । लगभग 1,500 अन्य अंग्रेजी के अध्यापकों ने विभिन्न जिलों में संस्थान के प्रवक्ताओं की सहायता से संचालित प्रशिक्षण शिविरों में भाग लिया ।

संस्थान द्वारा वर्ष 1972-73 में निम्नलिखित महत्वपूर्ण पुस्तक लेखन कार्य किये गये:--

(1) बुलेटिन नम्बर 10 (2) Elementary Training in practical criticism of poetry, (3) Reading efficiency course, (4) A programme Course Phonetic transcription, (5) कक्षा 6 के लिये अंग्रेजी की राष्ट्रीयकृत पुस्तक तथा वर्क बुक। संस्थान की सहायता से कक्षा 7 के लिये अंग्रेजी भाषा के 28 पाठ आकाशवाणी, लखनऊ, इलाहाबाद से प्रसारित किये गये ।

संस्थान के कार्यक्रम में उत्तरोत्तर वृद्धि होती जा रही है । अपने रायल्टी फंड से लगभग 2.90 लाख रुपया शासन के खजाने में संस्थान द्वारा जमा किया गया है ।

11--राजकीय सेन्ट्रल पेडागाजिकल इन्स्टीट्यूट, इलाहाबाद--शिक्षा क्षेत्र में इस संस्थान की गणना प्रदेश की ही नहीं वरन् सम्पूर्ण देश की पुरानी उच्च स्तरीय शैक्षिक संस्थाओं में की जाती है। संस्थान का प्रमुख कार्य एल० टी० प्रशिक्षण शैक्षिक अनुसंधान पाठ्यक्रम प्रस्तुत करने के साथ शिक्षा विभाग और माध्यमिक शिक्षा परिषद् को परामर्श देना है । संस्थान द्वारा वर्ष 1972-73 में सम्पन्न किये गये महत्वपूर्ण कार्यों का विवरण निम्नलिखित है:--

(क) शोध कार्य--(1) गणित के उपलब्ध परीक्षण का मानकीकरण (कक्षा 5), (2) निदानात्मक परीक्षण (गणित), (3) प्राथमिक स्तर पर गणित की विभिन्न क्रियाओं में की जाने वाली त्रुटियों का विश्लेषण, (4) आयुवर्ग 5 के लिये क्रियात्मक बुद्धि परीक्षण का मानकीकरण, (5) विराम चिन्हों के प्रयोग का शिक्षण (प्राथमिक स्तर), (6) आठ से दस वर्ष की आयु वाले बच्चों में व्यापक अध्ययन की अभिरुचि विकसित करने के उपाय, (7) समस्यात्मक बालकों का अध्ययन, (8) इलाहाबाद के हाई स्कूल के छात्रों की अंग्रेजी शब्दावली का अध्ययन, (9) एल० टी० छात्राध्यापकों के उच्चारण दोष का अध्ययन, (10) विज्ञान शिक्षण हेतु उपकरण पेटिका तयार करना (प्राथमिक स्तर), (11) कला शिक्षण में उत्प्रेरण, (12) माध्यमिक शिक्षा परिषद् की परीक्षाओं के प्रश्न-पत्रों का विश्लषणात्मक अध्ययन, (13) संप्रत्यात्मक शिक्षण, (14) अन्तर्राष्ट्रीय अवबोध की शिक्षा, (15) आकाशवाणी से विद्यालयों के लिये प्रसारित शैक्षिक कार्यक्रमों की समीक्षा, (16) उपचारात्मक शिक्षण, (17) कक्षा शिक्षण का मूल्यांकन, (18) एल० टी० के पाठ्यक्रम का संशोधन ।

(ख) पाठ्यक्रम पुस्तक रचना--राष्ट्रीय पाठ्य पुस्तकों की रचना के अन्तर्गत संस्कृत की पाठ्य पुस्तकें कक्षा 7 के लिये पूर्ण करके मुद्रण हेतु प्रस्तुत की गई ।

(ग) प्रकाशन कार्य--(1) न्यूजलेटर का हिन्दी का संस्करण, (2) राष्ट्रीयकृत हिन्दी पाठ्य पस्तकों (कक्षा 1 से 8) तक की शब्दावली, (3) अंकगणित के प्रकरणों पर निदानात्मक उपलब्ध परीक्षण, (4) कक्षा शिक्षण में उत्प्रेरण, (5) समस्यात्मक बालक, (6) प्राथमिक स्तर पर विज्ञान विषय में सम्प्रत्यात्मक शिक्षण, (7) न्यूज लेटर नं० 18 अंग्रेजी, (8) मानकीकृत गणित उपलब्धि परीक्षण के अन्तर्गत चार छोटे छोटे प्रकाशन ।

12--राजकीय बेसिक ट्रेनिंग कालेज, वाराणसी--इस महाविद्यालय में स्नातकोत्तर स्तर पर बुनियादी शिक्षा के सिद्धांतों के आधार पर छात्राध्यापकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है । सामुदायिक कार्य को प्रशिक्षण में महत्वपूर्ण अंग के रूप में स्वीकार किया गया है। वर्ष 1973 में 115 परीक्षार्थियों में से 84 ने सफलता प्राप्त की । वर्ष 1972-73 में महाविद्यालय के शोध विभाग द्वारा निम्नांकित लघु पुस्तिकायें एवं शोध पत्र मुद्रित कराये गये ।

(1) संगीत के पाठ संकेत, (2) गणित के समायित पाठ संकेत, तथा (3) अण्डे के व्यंजन एवं उनके विविध प्रयोग ।

13--राजकीय रचनात्मक प्रशिक्षण महाविद्यालय, लखनऊ--उद्यम तथा कार्यानुभारक शिक्षा के विकास तथा उन्नयन हेतु यह एक विशिष्ट प्रकार की संस्था है। इसमें एल0 टी0 रचनात्मक प्रशिक्षण पाठ्य-क्रम एक वर्ष का है । इस प्रशिक्षण महाविद्यालय में दो प्रकार के प्रशिक्षार्थी होते हैं । वर्ष 1972–73 में इनका वर्गीकरण विषयों के अनुरूप निम्नलिखित है--

(अ) शिल्प--	
(1) औद्योगिक रसायन	9
(2) कताई बुनाई	14
(3) कुलाल विज्ञान	7
(4) सिलाई	17
(5) कृषि	9
(6) पुस्तक शिल्प	10
(7) काष्ठ शिल्प	10
(8) धातु शिल्प	10
(ब) विज्ञान--	
(1) वनस्पति तथा जन्तु विज्ञान	35
(2) भौतिकी तथा रसायन	38

14--राजकीय महिला गृह विज्ञान प्रशिक्षण महाविद्यालय, इलाहाबाद--यह उत्तर प्रदेश में अपने तकनीकी ढंग का एक ही प्रशिक्षण महाविद्यालय है । इसमें सी0 टी0 (गृह विज्ञान) दो वर्षीय कोर्स में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। प्रत्येक वर्ष 4 लिखित और 5 प्रयोगात्मक परीक्षायें होती हैं।

शोध एवं प्रकाशन के अन्तर्गत 1972–73 में निम्नांकित दो पुस्तिका प्रकाशित की गई:--

(1) भारत के विभिन्न प्रान्तों के कुछ व्यंजन एवं शोध द्वारा निकाले गये व्यंजन।

(2) विविध स्वादिष्ट नाश्ते ।

15--राजकीय शिशु प्रशिक्षण महिला महाविद्यालय, इलाहाबाद--इसकी स्थापना 1951 में हुई । अब तक 485 छात्रायें शिशु शिक्षिकाओं के रूप में प्रशिक्षित हो चुकी हैं। सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्य क्रमों की आयोजना तथा शिशु शिक्षण के आधुनिकतम सैद्धांतिक एवं प्रयोगात्मक पक्षों में प्रशिक्षित करके छात्राओं की अध्ययन क्षमता में विकास एवं ज्ञानवर्द्धन करने का प्रयास किया जाता है । समय समय पर महाविद्यालय में बहुमुखी शैक्षिक योजनायें क्रियान्वित की जाती हैं । वर्ष 1972–73 में निम्नलिखित महत्वपूर्ण कार्य एवं पुस्तकों की रचना की गई --

(1) कला कलाकार के लिये (2) शिशुशाला में गणित के अनुभव एवं सम्बोधन, (3) इसमें अतिरिक्त विभिन्न शिशु गीतों, कहानियों और अभिनयों की रचना भी हुई है ।

इस महाविद्यालय से संलग्न "नन्हें मुन्नों का एक बाल मन्दिर है" जिसमें ढाई वर्ष से छः वर्ष तक की आयु के लगभग 250 बच्चे हैं । शिशु शिक्षण की नवीनतम विधियों के अनुसार खेल ही खेल में बच्चों का ज्ञान सम्वर्द्धन किया है ।

16--शारीरिक शिक्षा--शारीरिक शिक्षा हेतु प्रशिक्षित अध्यापकों को सुलभ करने के लिये प्रदेश में 2 राजकीय (पुरुषों के लिये रामपुर में तथा महिलाओं के लिये इलाहाबाद में) तथा 2 अराजकीय (लखनऊ एवं जौनपुर में) शारीरिक प्रशिक्षण महाविद्यालय जिनमें डी0 पी0 एड0 तथा सी0 पी0 एड0 स्तर का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है । राजकीय महिला शारीरिक प्रशिक्षण महाविद्यालय द्वारा निम्नांकित प्रकाशन कार्य किया गया है--

(1) 1972 के ओलम्पिक खेलों के अनुसार बास्केट बाल के संशोधित नियमों की पुस्तिका।
(2) कक्षा 5 से 8 तक सामूहिक खेलों की पुस्तिका ।
(3) प्रदेश के विभिन्न प्रकार के लोक गीतों का संग्रह ।

छात्रों और छात्राओं को शारीरिक शिक्षा के साथ-साथ सैनिक शिक्षा प्रदान की जाती है । इसके अन्तर्गत एन0 सी0 सी0, एन0 एफ0 सी0 तथा बाल स्काउट्स की योजनायें विभिन्न आयु वर्ग के छात्रों के लिये संचालित की जाती है । विभिन्न गेम्स स्पोर्ट्स की प्रतियोगितायें जिला, मंडलीय तथा प्रदेशीय स्तर पर युवक समारोह के रूप में आयोजित की जाती हैं । इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय शारीरिक दक्षता अभियान का भी आयोजन किया जाता है ।

अध्याय–7

विभाग की अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धियां

1—राज्य के जूनियर तथा सीनियर बेसिक स्कूलों के छात्र और छात्राओं के लिये सत्र 1973–74 में प्रयोगार्थ राजकीय पाठ्य-पुस्तकों की लगभग 2,42,75,000 प्रतियों की व्यवस्था की गई है।

2—सत्र 1972–73 के राजकीय प्रकाशनों पर 23 प्रकाशकों मुद्रकों को उनके उच्चकोटि के मुद्रण एवं सराहनीय प्रकाशन पर प्रशंसा-पत्र दिये गये।

3—शिक्षा सत्र 1973–74 के लिये निम्नलिखित पुस्तकों को राष्ट्रीयकरण किया गया

1—विज्ञान आओ करके सीखे भाग 2	कक्षा 4
2—विज्ञान	कक्षा 6
3—बेसिक इंगलिश रीडर भाग 1	कक्षा 6
4—संस्कृत सुबोध भाग 2	कक्षा 7
5—सामाजिक विषय भाग 1	कक्षा 3

4—वर्ष 1972–73 में शिक्षा संस्थाओं से संबद्ध पुस्तकालयों के प्रयोगार्थ 31 पुस्तकें अनुमोदित की गयीं तथा 10 पुस्तकें स्वीकृत की गयीं।

5—कक्षा 1 से 8 तक के उर्दू माध्यम से पढ़ने वाले विद्यालयों के लिये लगभग सभी प्रमुख विषयों की पाठ्य पुस्तकें बाजार में विक्रय के लिये उपलब्ध की गयी हैं।

6—वर्ष 1972–73 में हिन्दी के उत्तम साहित्य के सृजन को प्रोत्साहन देने की दृष्टि से हिन्दी की उत्कृष्ट पुस्तकों को, क्रय तथा विद्यालयों एवं सार्वजनिक पुस्तकालयों को निःशुल्क वितरण हेतु शासन द्वारा गठित चयन समिति द्वारा, चयन किया गया। लगभग 10 लाख रुपये की हिन्दी की उत्कृष्ट पुस्तकें क्रय करके प्रदेश के चुने हुये सार्वजनिक पुस्तकालयों, डिग्री कालेजों एवं इंटर कालेजों में निःशुल्क वितरित की गयीं।

7—प्रादेशिक शिक्षा पुनर्व्यवस्था योजना के अन्तर्गत राजकीय प्रसार अध्यापक प्रशिक्षण केन्द्र प्रतापगढ़ की स्थापना हुई थी। कृषि एवं शिल्प केन्द्रित विद्यालयों के लिये जनवरी, 1973 तक इस केन्द्र ने विभिन्न अवधियों वाले पाठ्यक्रमों के अन्तर्गत सीनियर बेसिक स्तर के कुल 3,944 अध्यापकों को संशिक्षा, कृषि, विभिन्न शिल्प तथा प्रसार एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में सेवाकालीन, प्रारम्भिक और पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण प्रदान कर चुका है। 31 मार्च, 1973 को 42 प्रसार अध्यापक प्रशिक्षण में सम्मिलित हैं। वर्ष 1972–73 में कृषिगत आय की कुल जमा धनराशि 3,113 रु0 61 पै0 मात्र रही है।

8—उर्दू भाषा एवं शिक्षा की उन्नति के लिये 18 दिसम्बर, 1971 को उर्दू अकादमी की स्थापना हुई। शासन द्वारा 25 जनवरी, 1972 को अकादमी की जनरल कौंसिल एवं कार्यकारिणी समिति को स्थापित करने की विज्ञप्ति जारी की गई। अकादमी के कार्यों को तीव्र गति से चलाने के लिये 10 उप समितियां कार्य कर रही हैं। अकादमी द्वारा निम्नलिखित महत्वपूर्ण कार्य वर्ष 1972–73 में किये गये —

(1) मार्च 1973 के अन्त तक 184 पुस्तकालयों तथा वाचनालयों को उर्दू पुस्तकों, पत्रिकाओं तथा समाचार-पत्रों के क्रय करने हेतु 98,150 रु0 की धनराशि स्वीकृत की गयी।

(2) उर्दू साहित्यकारों को पुरस्कार–वर्ष 1972–73 के अन्त तक भारत के 70 लेखकों को 59,000 रुपया वितरित किया गया।

(3) पाण्डुलिपि के प्रकाशन हेतु अनुदान उत्तर प्रदेश के विभिन्न साहित्यकारों से 100 से अधिक पाँण्डुलिपियां प्राप्त हुई। प्राप्त पांण्डुलिपि का परीक्षण अकादमी द्वारा करने के पश्चात् वर्ष 1972-73 के अन्त तक कुल 35 लेखकों को 26, 950 रु0 का अनुदान स्वीकृत किया गया।

(4) रोगग्रस्त उर्दू लेखकों को सहायता चिकित्सा के लिये 20 वृद्ध एवं बीमार उर्दू के साहित्यकारों को अब तक कुल 9,400 रु0 स्वीकृत किया गया।

9—लाभव्रर्यी योजना के अन्तर्गत वर्ष 1972-73 आयोजनेत्तर बजट से स्वीकृत की गयी धनराशि का विवरण निम्नवत् है :—

(क) 7,086 अवकाश प्राप्त शिक्षकों को पेन्शन व परिवार पेन्शन हेतु 27,90,190 रुपया।

(ख) अवकाश प्राप्त करने से पूर्व सेवाकाल में मृत अध्यापकों के परिवारों को आनुतोषिक अनुदान देने हेतु 97 परिवारों को 90,780 रुपया।

(ग) 244 अध्यापकों के प्राविधायी धन के राजकीय अंश का भुगतान हेतु 4,09,456 रु0।

उपर्युक्त योजना के अन्तर्गत वर्ष 1973-74 में 38,22,000 रु0 का प्राविधान है।

10—भारत स्काउट एवं गाइड्स, उ0 प्र0 इलाहाबाद के कार्यकलापों के विस्तार हेतु आयोयोजनागत बजट से वर्ष 1972-73 में इस संस्था को अनुदान देने हेतु 1,20,000 रु0 की धनराशि स्वीकृत की गयी। वर्ष 1973-74 में भी अनुदान देने का प्राविधान है।

11—हिन्दुस्तानी एकेडेमी, उ0 प्र0 इलाहाबाद को वर्ष 1972-73 में प्लान बजट से 15,000 रुपये का अनुदान स्वीकृत किया गया। वर्ष 1973-74 में भी अनुदान देने का प्राविधान किया गया है।

12—नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी को वर्ष 1972-73 में प्लान बजट से 3,000 रु0 का अनुदान स्वीकृत किया गया। वर्ष 1973-74 में भी अनुदान देने का प्राविधान किया गया है।

13—प्रदेश के 26 सार्वजनिक संस्थाओं को उनके क्रिया कलापों को सुचारु रूप से चलाने हेतु आयोजनेतर बजट से वर्ष 1972-73 में 6,21,500 रु0 स्वीकृत किया गया है।

सारणी 1

शिक्षा के लिये निर्दिष्ट बजट

वर्ष	बालकों की शिक्षा के लिये बजट	बालिकाओं की शिक्षा के लिये बजट	शिक्षा के लिये सम्पूर्ण बजट
1	2	3	4
	रु0	रु0	रु0
1945–46	2,21,89,600	35,56,400	2,57,46,000
1950–51	6,61,14,800	76,29,400	7,37,44,200
1955–56	9,30,63,300	89,53,200	10,20,16,500
1960–61 शिक्षा	12,17,33,000	1,18,23,200	13,35,56,200
1960–61 शिक्षा नियोजन	* ..	* ..	3,87,41,000
1965–66 शिक्षा	24,36,60,500	2,53,76,200	26,90,36,700
1965–66 शिक्षा नियोजन	14,42,21,200	2,13,46,000	16,55,67,200
1968–69 शिक्षा	46,30,92,200	5,35,93,100	51,66,85,300
1968–69 शिक्षा नियोजन	6,31,67,100	38,56,600	6,70,23,700
1972–73 शिक्षा	87,36,25,900	6,91,98,300	94,28,24,200
1972–73 शिक्षा नियोजन	16,16,12,400	1,06,39,400	17,22,51,800
1973–74 शिक्षा	1,02,99,58,800	7,27,21,800	1,10,26,80,600
1973–74 शिक्षा नियोजन	43,15,52,400	1,28,90,700	44,44,43,100

टिप्पणी:—इसके अतिरिक्त बालकों की शिक्षा के लिये बजट में बालिकाओं की शिक्षा पर व्यय सम्मिलित है ।

*विभक्ति बजट में उपलब्ध नहीं है ।

सारणी—2

शिक्षा के विभिन्न शीर्षकों के लिए बजट

	1945-46	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1972-73	1973-74
1	2	3	4	5	6	7	8
शिक्षा—							
1—प्रारम्भिक ..	90,78,200	3,32,18,200	4,24,73,600	5,69,27,000	10,30,06,400	35,73,61,700	35,43,83,200
2—माध्यमिक ..	82,06,700	1,65,95,000	2,35,46,400	3,36,10,200	6,53,67,800	22,78,64,500	25,53,04,000
3—विश्वविद्यालय .. तथा डिग्री कालेज	30,17,300	47,77,100	89,47,700	1,13,62,000	1,91,07,100	4,83,68,900	5,08,76,300
4—ट्रेनिंग ..	..	5,99,400	9,14,900	9,83,400	13,96,900	29,49,300	30,12,300
5—अन्य ..	54,43,800	1,85,54,500	2,61,33,900	3,06,73,600	8,01,58,500	30,62,79,800	43,91,04,800
योग ..	2,57,46,000	7,37,44,200	10,20,16,500	13,35,56,200	26,90,36,700	94,28,24,200	1,0,26,80,600
शिक्षा नियोजन—							
1—प्रारम्भिक ..	..	..	..	2,54,76,900	6,75,47,200	10,05,48,100	31,02,30,900
2—माध्यमिक ..	..	..	..	63,67,000	3,20,95,900	1,77,26,500	2,70,01,300
3—विश्वविद्यालय तथा डिग्री कालेज	..	..	..	41,17,000	1,47,51,200	1,30,98,700	1,65,98,100
4—ट्रेनिंग ..	..	..	..	13,06,000	75,21,200	13,81,200	13,17,3000
5—अन्य ..	..	..	..	14,74,100	4,36,51,700	3,94,97,300	8,92,95,500
योग ..	..	..	..	3,87,41,000	16,55,67,200	17,22,51,800	44,44,43,100

सारणी—3

व्यय के स्रोत

वर्ष तथा स्रोत	1945–46	1950–51	1955–56	1960–61	1965–66	1968–69	1969–70*
	रु0	रु0	रु0	रु0	रु0	रु0	रु0
राजकीय निधि से	2,70,03,667	7,39,18,773	12,31,39,959	23,44,40,547	46,82,88,678	69,87,62,945	75,52,04,577
स्थानीय निकाय निधि से	71,06,972	1,85,36,569	2,10,74,826	2,76,41,516	4,24,19,854	4,59,29,335	4,46,99,191
विश्वविद्यालय निधि से	(क)	(क)	(क)	(क)	1,08,34,387	97,90,984	1,51,98,479
शुल्क से ..	1,60,37,418	3,99,80,104	7,24,00,440	9,12,94,133	14,30,38,133	18,66,52,287	20,40,99,528
प्राभृति एवं अन्य निधि से—	1,00,07,180	3,08,42,455	3,70,68,823	4,36,27,313	5,70,28,689	7,69,39,339	6,74,75,881
योग ..	6,01,55,237	16,32,77,901	25,36,84,048	39,70,03,509	72,16,09,741	101,80,74,890	108,66,77,656

(क) इन वर्षों की धनराशि प्रभूति एवं अन्य निधि की धनराशि में सम्मिलित है ।

* आंकड़े अस्थाई हैं ।

सारणी—4

प्रबंधानुसार शिक्षा संस्थायें—सामान्य शिक्षा

		1945–46	1950–51	1955–56	1960–61	1965–66	1968–69	1969–70*
1	2	3	4	5	6	7	8	9
राजकीय ..	बालक	1,392	942	834	1,119	1,821	1,846	933@
	बालिका ..	120	152	171	222	545	570	346@
स्थानीय निकाय ..	बालक ..	14,153	27,879	28,745	34,418	47,903	48,917	50,327
	बालिका ..	1,280	2,444	2,726	4,968	11,020	11,609	12,321
विश्वविद्यालय* ..	बालक ..	5	6	6	9	9	11	11
	बालिका ..	..	..	..	..	..	..	..
सहायता प्राप्त ..	बालक ..	5,245	3,072	2,765	3,198	4,059	4,858	4,993
	बालिका ..	706	508	478	558	726	822	840
असहायता प्राप्त ..	बालक ..	482	825	1,315	1,747	2,912	3,546	3,555
	बालिका ..	23	44	69	160	248	321	346
	बालक ..	21,277	32,724	33,665	40,491	56,704	59,178	59,819
	बालिका ..	2,129	3,148	3,444	5,908	12,539	13,322	13,853

टिप्पणी :—(1) वर्ष 1945–46 में व्यावसायिक संस्थायें भी सम्मिलित हैं ।

(2) विश्वविद्यालयों की संख्या वर्ष 1945–46, 1950–51, 1955–56 तथा 1960–61 में सहायता प्राप्त संस्थाओं की संख्या में सम्मिलित थी ।

*वो विश्वविद्यालय मानी गई संस्थायें सम्मिलित नहीं हैं—

(1) काशी विद्यापीठ, वाराणसी ।

(2) गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, सहारनपुर ।

*आंकड़े अस्थाई हैं ।

@टेहरी एवं रामपुर 'मर्ज एण्ड डिफण्ड स्टेट' के राजकीय विद्यालय स्थानीय निकायों को हस्तानान्तरित होने के कारण कमी हुई है ।

सारणी –5

विभिन्न प्रकार की मान्यता प्राप्त शिक्षा संस्थायें (प्रथम तीन स्तर)

		1945–46	1950–51	1955–56	1960–61	1965–66	1971–72	1972–73*
1	2	3	4	5	6	7	8	9
उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (लड़के) ..	सब	356	833	1,253	1,489	2,050	2,960**	3,220
	ग्रामीण क्षेत्रों में	43	304	590	743	1,185	1,496	1,756
उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (लड़कियां) ..	सब	86	154	221	282	451	594**	625
	ग्रामीण क्षेत्रों में	..	1	2	6	27	89	96
योग ..	सब	442	987	1,474	1,771	2,501	3,554**	3,845
	ग्रामीण क्षेत्रों में	43	305	592	749	1,212	1,585	1,852
सीनियर बेसिक स्कूल (लड़के) ..	सब	1,202	2,386	3,128	3,674	4,945	6,940**	7,126
	ग्रामीण क्षेत्रों में	734	1,854	2,661	3,025	4,242	5,757	5,961
सीनियर बेसिक स्कूल (लड़कियां) ..	सब	474	468	512	661	1,209	2,099**	2,237
	ग्रामीण क्षेत्रों में	64	130	195	247	708	1,216	1,421
योग ..	सब	1,676	2,854	3,640	4,335	6,154	9039*	9,363
	ग्रामीण क्षेत्रों में	798	1,984	2,856	3,272	4,950	6,973	7,382

सारणी 5–(समाप्त)

		1945–46	1950–51	1555–56	1960–61	1965–66	1971–72*	1972–73*
1	2	3	4	5	6	7	8	9
जूनियर बेसिक स्कूल (लड़के) ..	सब ..	17,545	29,459	29,202	35,156	49,443	50,607**	51,250
	ग्रामीण क्षेत्रों में	15,167	22,106	26,503	31,656	45,360	46,519	47,057
जूनियर बेसिक स्कूल (लड़कियां)	सब ..	1,472	2,520	2,696	4,927	10,800	11,746**	11,872
	ग्रामीण क्षेत्रों में	904	1,604	1,897	3,646	8,895	9,503	9,690
योग ..	सब ..	19,017	31,979	31,898	40,083	60,243	62,353**	63,122
	ग्रामीण क्षेत्रों में	16,071	23,710	28,400	35,302	54,255	56,022	56,747
नर्सरी स्कूल (लड़के) ..	सब ..	..	6	19	55	10	176	176
	ग्रामीण क्षेत्रों में	..	..	..	..	..	..	..
नर्सरी स्कूल (लड़कियां)	सब ..	..	..	7	18	43	90	90
	ग्रामीण क्षेत्रों में	..	..	..	..	..	..	..
योग ..	सब ..	..	6	26	73	153	266	266
	ग्रामीण क्षेत्रों में	..	..	..	..	..	..	..

*आंकड़े अस्थाई हैं।

**संशोधित एवं अस्थाई हैं।

सारणी–6

विभिन्न प्रकार की मान्यता प्राप्त शिक्षा संस्थायें (अन्तिम दो स्तर)

		1945–46	1950–51	1955–56	1960–61	1965–66	1971–72*	1972–73
1	2	3	4	5	6	7	8	9
विश्वविद्यालय ..	लड़के ..	5	6	6	9	9(क)	11(क)	11(क)
	लड़कियां ..	..	..	..	..	..	..	..
	योग ..	5	6	6	9	9(क)	11(क)	11(क)
डिग्री कालेज ..	लड़के ..	10	34	57	108	147	208	233
	लड़कियां ..	2	6	8	20	36	55	58
	योग ..	12	40	65	128	183	263	291

*आंकड़े अस्थाई हैं ।

(क) दो विश्वविद्यालय मानी गयी संस्थायें सम्मिलित नहीं हैं :—

(1) काशी विद्यापीठ, वाराणसी ।

(2) गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, सहारनपुर ।

सारणी–7

संस्था के अनुसार छात्रों की संख्या

		1945–46	1950–51	1955–56	1960–61	1965–66	1971–72*	1972–73*
1	2	3	4	5	6	7	8	9
विश्वविद्यालय ..	लड़के ..	9,730(अ)	19,105	24,616	29,785	37,628	47,047	48,458 (क)
	लड़कियां ..	605(अ)	1,671	2,802	4,033	8,208	11,610	12,074(क)
	योग ..	10,335(अ)	20,776	27,418	33,818	45,836	58,657	60,532(क)
डिग्री कालेज ..	लड़के ..	16,843(ब)	27,294	45,725	58,959	74,295	1,16,760	1,48,285(क)
	लड़कियां ..	1,585(ब)	2,504	4,874	8,743	20,263	31,707	34,528 (क)
	योग ..	18,428(ब)	29,798	50,599	67,702	94,558	1,48,467	1,82,813(क)
उच्चतर माध्यमिक स्कूल	लड़के ..	1,56,133 (द)	3,59,580	5,56,530	7,57,592	12,71,038	19,08,301	20,06,529
	लड़कियां..	23,315 (द)	57,825	87,599	1,54,485	2,87,862	5,18,461	5,32,043
	योग	1,79,448 (द)	4,17,405	6,44,129	9,12,077	15,58,900	24,26,762	25,38,572
सीनियर बेसिक स्कूल ..	लड़के	1,50,583	2,78,339	3,55,266	4,46,139	7,88,905	11,20,906	11,89,802
	लड़कियां ..	81,498	69,798	71,759	1,03,688	1,94,945	4,36,282	4,76,008
	योग ..	2,32,081	3,48,137	4,27,025	5,49,827	9,83,850	15,57,188	16,65,810

जूनियर बेसिक स्कूल	लड़के ..	11,95,636	23,92,175	22,53,231	31,70,868	57,64,857	65,77,632	66,74,652
	लड़कियां ..	1,75,058	3,34,948	4,84,596	7,87,960	30,23,248	37,46,555	38,55,641
	योग ..	13,70,694	27,27,123	27,37,827	39,58,828	87,88,105	1,03,24,187	1,05,30,293
नर्सरी स्कूल ..	लड़के ..	..	644	1,507	4,486	11,882	19,193	20,068
	लड़कियां ..	..	162	991	3,068	7,745	10,607	11,061
	योग ..	..	806	2,498	7,554	19,627	29,800	31,129

(द) इन्टर कक्षाओं के विद्यार्थी सम्मिलित नहीं हैं ।

(अ) यह केवल विज्ञान और कला के विद्यार्थियों की संख्या है ।

(ब) इन संस्थाओं में समस्त इन्टर कक्षा के विद्यार्थी सम्मिलित हैं ।

*आंकडे अस्थाई हैं ।

**दो विश्वविद्यालय मानी हुई संस्थाओं को छात्र संख्या सम्मिलित नहीं है ।

(क) अनुमानित है।

सारणी–8

संस्थानुसार अध्यापकों की संख्या

		1945–46	1950–51	1955–56	1960–61	1965–66	1971–72*	1972–73*
1	2	3	4	5	6	7	8	9
विश्वविद्यालय में **	पुरुष	839	1,201	1,331	2,089	2,797	3,667	अनुपलब्ध
	महिला	56	71	114	159	234	329	"
	योग	895	1,272	1,445	2,248	3,031	3,996	"
डिग्री कालेजों में	पुरुष	411	1,175	2,155	3,113	4,640	6,119	अनुपलब्ध
	महिला	37	74	172	331	793	1,156	"
	योग	448	1,249	2,327	3,444	5,433	7,275	"
उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में	पुरुष	7,398	15,453	24,541	30,222	45,717	66,551	69,579
	महिला	1,417	2,774	4,130	5,854	10,697	15,990	16,486
	योग	8,8,15	18,227	28,671	36,076	56,414	82,541	86,065
सीनियर बेसिक स्कूलों में	पुरुष	6,435	11,685	16,734	19,057	28,865	43,750	44,729
	महिला	3,426	2,900	3,262	4,202	7,002.	10,874	11,512
	योग	9,861	14,505	19,996	23,259	35,867	54,624	56,241

जूनियर बेसिक स्कूलों में	पुरुष	38,376	65,110	70,641	87,340	1,44,659	1,79,967	1,82,565
	महिला	2,610	5,189	6,934	11,714	23,918	34,786	35,938
	योग	40,986	70,299	77,575	99,054	1,68,577	2,14,753	2,18,501
नर्सरी स्कूलों में	पुरुष	—	8	35	51	199	362	371
	महिला	—	14	149	348	723	1,210	1,281
	योग	—	22	184	399	922	1,572	1,652

*आंकड़े अस्थाई है।

**विश्वविद्यालय, मानी गई संस्थाओं के अध्यापकों की संख्या सम्मिलित नहीं है।

सारणी–9

स्तरानुसार छात्रों की संख्या तथा अध्यापकों की संख्या

		1964–65	1965–66	1966–67	1967–68	1968–69	1969–70*	1970–71*
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1—छात्रों की संख्या—								
प्री-प्राइमरी स्तर	योग	24,393	25,815	30,747	25,872	27,540	31,824	33,390
	बालिका	9,417	10,535	12,689	10,455	11,368	13,190	14,687
जूनियर बेसिक स्तर	योग	8,13,761	90,17,914	95,79,995	99,15,153	1,01,70,669	1,04,18,616	1,08,65,533
(कक्षा 1–5)	बालिका	26,47,447	31,39,237	34,00,569	35,72,497	37,27,453	38,55,915	40,15,991
सीनियर बेसिक स्तर	योग	13,51,129	15,14,037	16,34,498	17,80,136	19,11,969	20,94,117	21,80,088
(कक्षा 6–8)	बालिका	2,16,983	2,55,618	2,74,446	3,03,891	3,34,770	3,73,872	4,14,886
हाई/हायर सेकेंडरी स्तर	योग	7,00,172	8,02,656	8,79,799	9,69,145	10,58,151	11,51,517**	12,80,585**
(कक्षा 9–12)	बालिका	90,170	1,11,982	1,17,162	1,40,089	1,51,282	1,80,649	2,00,281
स्नातक स्तर	योग	60,354	74,232	81,632	94,936	1,24,327	1,41,664	1,60,080@
	बालिका	12,593	17,127	19,833	22,018	27,355	30,215	33,237@
स्नातकोत्तर	योग	18,051	19,755	21,186	25,099	29,188	33,627	38,671@
	बालिका	3,578	4,210	4,840	6,040	7,094	8,372	9,879
2—अध्यापकों की संख्या—								
(प्री-प्राइमरी स्तर)	योग	901	1,045	1,139	1,144	1,285	1,316	1,399
	महिला	677	833	847	845	973	1,014	1,058
जूनियर बेसिक स्तर	योग	1,60,555	1,74,377	1,81,661	1,88,255	1,95,202	2,05,438	2,05,435
(कक्षा 1–5)	महिला	25,061	26,841	28,421	30,017	31,839	33,987	35,288
सीनियर बेसिक स्तर	योग	44,477	49,965	57,714	61,703	64,390	68,441	73,146
(कक्षा 6–8)	महिला	7,929	8,677	10,491	11,361	11,822	12,866	14,206

हाई/हायर सेकेन्डरी स्तर (कक्षा 9–12)	योग	33,285	36,730	39,946	43,300	46,063	48,595	51,555
	महिला	5,114	5,983	6,524	7,238	7,752	7,964	8,408
स्नातक/स्नातकोत्तर स्तर	योग	7,815	8,464	9,225	10,193	10,749	12,020	13,462@
	महिला	855	1,027	1,147	1,322	1,441	1,684	1,963@

(1) प्री-प्राइमरी स्तर स्कूलों में वर्ष 1964–65, 1965–66 व 1966–67 के आंकड़ों में इन संस्थाओं के वे छात्र सम्मिलित है जो कक्षा 1–5 में पढ़ते हैं जबकि 1967–68 व आगे के वर्षों में इन्हें सम्मिलित नहीं किया गया है। अतः 1964–65 से 1966–67 तथा 1967–68 व 1968–69 के आंकड़े विस्तार क्षेत्र भिन्न होने के कारण तुलनीय नहीं हैं।

(2) हाई/हायर सेकेंडरी स्तर के छात्रों में डिग्री कालेजों से सम्बद्ध कक्षा 11 व 12 के छात्रों की संख्या वर्ष 1964–65 से 1968–69 तक सम्मिलित नहीं है।

(@) अनुमानित हैं। ** संशोधित एवं अस्थाई हैं।

(3) *आंकड़े अस्थाई हैं।

सारणी–10

माध्यमिक शिक्षा परिषद् की परीक्षाओं के लिये मान्यता प्राप्त विद्यालयों की संख्या

	1945–46	1950–51	1955–56	1960–61	1965–66	1970–71	1972–73	1973–74
1	2	3	4	5	6	7	8	9
हाई स्कूल परीक्षा—								
लड़कों की शिक्षा संस्थायें	315	749	1,175	1,404	1,837	2,656	3,048	3,217
लड़कियों की शिक्षा संस्थायें	56	130	197	257	354	541	587	601
योग	371	879	1,372	1,661	2,191	3,197	3,635	3,818
इण्टरमीडिएट परीक्षा—								
लड़कों की शिक्षा संस्थायें	113	334	652	786	1,002	1,468	1,631	1,753
लड़कियों की शिक्षा संस्थायें	15	41	111	148	2]4	302	316	328
योग	128	375	763	934	1,216	1,770	1,947	2,081

सारणी–11 (अ)

हाई स्कूल परीक्षा के परीक्षार्थियों की संख्या

	1945	1951	1956	1961	1966	1969	1972	1973
1	2	3	4	5	6	7	8	9
हाई स्कूल परीक्षा में पंजीकृत संख्या–								
लड़के ..	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	1,67,549	2,15,252	3,14,578	4,05,856	5,45,450	5,62,083
लड़कियां ..	,,	,,	16,488	22,620	41,826	68,170	78,942	88,856
योग	27,272	1,10,681	1,84,037	2,37,872	3,56,404	4,74,026	6,24,392	6,50,939
परीक्षा में सम्मिलित होने वालों की संख्या—								
लड़के ..	अनुपलब्ध	अनुलपब्ध	1,55,285	2,04,315	2,95,036	3,85,294	5,15,267	5,36,804
लड़कियां ..	,,	,,	14,301	21,526	38,605	65,079	70,786	85,730
योग	25,153	98,534	1,69,586	2,25,841	3,33,641	4,50,373	5,86,053	6,22,534
उत्तीर्ण होने वालों की संख्या—								
लड़के ..	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	68,589	89,880	1,30,277	1,69,410	2,24,955	2,13,006
लड़कियां ..	,,	,,	8,528	13,860	25,187	43,892	43,568	58,377
योग	15,820	58,234	77,117	1,03,740	1,55,464	2,13,302	2,73,523	2,71,383

सारणी–11 (ब)

इन्टरमीडियेट परीक्षा के परीक्षार्थियों की संख्या।

	1946	1951	1956	1961	1966	1969	1972	1973
1	2	3	4	5	6	7	8	9
इन्टरमीडियेट परीक्षा में पंजीकृत संख्या—								
लड़के ..	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	78,457	99,600	1,48,785	2,27,474	2,68,006	2,76,305
लड़कियां ..	,,	,,	9,344	13,745	27,912	42,392	56,750	65,195
योग	12,230	41,009	87,801	1,13,345	1,76,697	2,69,866	3,24,756	3,41,500
परीक्षा में सम्मिलित होने वालों की संख्या—								
लड़के ..	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	69,858	89,542	1,29,269	2,06,854	2,41,790	2,49,635
लड़कियां ..	,,	,,	8,219	12,282	24,151	38,812	51,797	59,176
योग	10,458	34,464	78,077	1,01,824	1,53,420	2,45,666	2,93,587	3,08,811
उत्तीर्ण होने वालों की संख्या—								
लड़के ..	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	36,376	35,645	54,381	1,01,781	1,25,531	1,28,757
लड़कियां ..	,,	,,	5,058	6,557	13,299	25,969	33,118	36,067
योग	6,804	20,523	41,434	42,202	67,680	1,27,750	1,58,649	1,64,824

सारणी–12

संस्कृत पाठशालाओं की संख्या और राजकीय सहायता

	1950–51	1955–56	1960–61	1965–66	1968–69	1969–70*	1972–73*
1	2	3	4	5	6	7	8
स्वीकृत पाठशालायें ..	1,400	1,014	1,050	800	900	900	925
छात्र संख्या	34,093	39,901	42,092	43,600	48,805	48,600	53,350
सहायता प्राप्त पाठशालायें ..	332	418	637	779	779	803	830
राज्य से प्राप्त सहायता (रु0 में) ..	2,53,512	4,64,448	9,62,953	22,14,020	28,20,273	39,30,544	56,58,604 (रु0 में)

*आंकड़े अस्थाई हैं।

सारणी–13

अरबी मदरसों की संख्या और राजकीय सहायता

	1950–51	1955–56	1960–61	1965–66	1968–69	1969–70*	1972–73*
1	2	3	4	5	6	7	8
स्वीकृत मदरसे	86	89	104	124	125	146	146
छात्र संख्या	––	14,190	16,710	26,215	26,672	29,382	30,521
सहायता प्राप्त मदरसे	86	89	104	124	125	123	125*
राज्य से प्राप्त सहायता (रु० में) ..	90,672	1,02,394	1,24,164	2,56,454	2,44,840	2,94,603	11,14,150

*अकांड़े अस्थाई है।

*मदरसे बन्द होने के कारण वर्ष १९७१–७२ से संख्या कम है।

सारणी-14

प्रशिक्षण संस्थाय तथा संबद्ध प्रशिक्षण कक्षायें (संख्या)

	1945-46	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1971-72*	1972-73*
1	2	3	4	5	6	7	8	9
ट्रेनिंग कालेज एल0 टी0 स्तर)—								
(एक वर्ष)								
पुरुष ..	3	4	6	7	6	7	8	10
महिला ..	1	5	2	3	4	4	2	2
योग	4	9(ग)	8	10	10	11	10	12
विश्व विद्यालयों के प्रशिक्षण विभाग बी0एड0 तथा एम0 एड0 पुरुष तथा महिला सम्मिलित	..	..	3	5	5	5	5	5
डिग्री कालेजों की प्रशिक्षण कक्षायें एल0, टी0 स्तर								
पुरुष	..	8	10	28	36	41	48	48
महिला	..	1	2	2	6	6	8	8
योग		9	12	30	42	47	56	56

1	2	3	4	5	6	7	8	9
जूनियर बेसिक ट्रेनिंग कालेज तथा अन्य सी0, टी0 स्तर की प्रशिक्षण संस्थायें								
पुरुष	3	अनुपलब्ध	5	5	5	7	8	8
महिला	7	"	7	6	8	11	11	12
योग	10	"	12	11	13	18	19	20
जी0, टी0 सी0 कालेज (2 वर्ष)								
पुरुष	..	109	33	33	42	–	–	–
महिला	..	24	1	4	11	–	–	–
योग	..	133(च)	34	37	53	–	..	..
नार्मल स्कूल (दो वर्ष)								
पुरुष	44(घ)	अनुपलब्ध	45	95	121	–	–	–
महिला	26(घ)	"	16	22	42	–	–	–
योग	70	"	61	117	163	..	..	..
बी0 टी0 सी0 (1 वर्ष)								
पुरुष	..	..	..	..	..	230	194	194
महिला	..	..	..	..	..	89	67	67
योग	..	..	..	..	..	319	261	261

(घ) इस संख्या में 11 सेन्ट्रल ट्रेनिंग स्कूल और 21 ट्रेनिंग क्लास सम्मिलित हैं जिनमें 1 वर्ष का कोर्स था ।

(ग) इस संख्या में 9 ट्रेनिंग क्लास सम्मिलित हैं जिनमें 1 वर्ष का कोर्स था ।

(च) इनमें नार्मल स्कूल भी सम्मिलित हैं ।

(–) ये संस्थायें अब बी0 टी0 सी0 में परिवर्तित हो गई हैं ।

(*) आंकड़े अस्थाई हैं ।

सारणी–15

प्रशिक्षण संस्थायें तथा सम्बद्ध प्रशिक्षण कक्षायें (छात्र संख्या)

	1945-46	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1971-72*	1972-73*
1	2	3	4	5	6	7	8	9
ट्रेनिंग कालेज (एल० टी० स्तर)–								
पुरुष ..	202	226	415	500	540	594	1031	959
महिला ..	57	337	311	520	621	763	534	540
योग ..	259	563(ल)	726	1020	1161	1357	1563	1499
विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण विभाग (बी० एड तथा एम० एड०) ..								
पुरुष ..	..	312	257	356	272	442	495	अनुपलब्ध
महिला ..	..	107	127	144	354	279	432	,,
योग ..	..	419	384	500	626	721	927	अनुपलब्ध
डिग्री कालेजों की प्रशिक्षण कक्षाएं (एल० टी० स्तर)––								
पुरुष ..	..	520	956	2413	2797	2837	2889	अनुपलब्ध
महिला ..	..	66	289	509	1140	1310	1699	,,
योग ..	..	586	1245	2922	3907	4147	4588	,,

1	2	3	4	5	6	7	8	9
जे0बी0टी0सी0 कालेज आदि-- (दो वर्ष सी0टी0 स्तर)								
पुरुष ..	210	..	315	597	361	299	227	370
महिला ..	148	..	252	254	344	537	440	392
योग	358	..	567	851	705	836	667	762
जे0टी0सी0 कालेज (दो वर्ष)--								
पुरुष ..	..	15166	1361	2350	2225	..	..	..
महिला ..	..	639	106	341	787	..	..	..
योग ..	..	15805(ज)	3467	2691	3010(क)	..	..	..
नार्मल स्कूल (दो वर्ष)--								
पुरुष ..	1410	..	3773	9569	16205	..	..	..
महिला ..	639	..	567	1314	4210	..	..	..
योग ..	2049(य)	..	4340	10880	20415(ख)	..	..	..
बी0टी0सी0 (एक वर्ष)--								
पुरुष ..	..	..	..	..	..	17946	22789	21704
महिला ..	..	..	..	..	..	6589	7027	7956
योग	..	..	..	..	..	24535	29816	29660

(ज) इनमें नार्मल स्कूल के छात्र भी सम्मिलित हैं।
(ल) इन में सी0 टी0 के छात्र भी सम्मिलित हैं।
(य) इस संख्या में 552 लड़के 171 लड़कियां बी0 टी0 सी0 कोर्स भी सम्मिलित हैं।
*आंकड़े अस्थायी हैं।
(क) इस संख्या में जी0 टी0 सी0 यूनिट्स के छात्रों की संख्या ही सम्मिलित है।
(ख) इस संख्या में एच0टी0सी0 यूनिट्स के छात्रों की संख्या भी सम्मिलित है।

सारणी–16

प्रशिक्षण संस्थाय एवं सम्बद्ध प्रशिक्षण कक्षायें उत्तीर्ण होने वाले छात्राध्यापकों और छात्राध्यापिकाओं की संख्या

	1945-46	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1971-72*	1972-73*
1	2	3	4	5	6	7	8	9
एल0टी0, बी0टी0 तथा बी0 एड0 (एक वर्ष) ..								
पुरुष ..	249	880	1,386	3,032	3,222	4,234	853(क)	765(क)
महिला ..	75	208	511	977	1,735	2,122	416(क)	434(क)
योग ..	324	1,088	1,897	4,009	4,957	6,356	1269(क)	1199(क)
एम0एड0 (1 वर्ष)—								
पुरुष ..	3	58	36	74	92	94	(–)	(–)
महिला ..	1	25	42	42	66	81	(–)	(–)
योग ..	4	83	78	116	158	175	(–)	(–)
जे0बी0टी0सी0 (2वर्ष)— (सी0टी0 स्तर)								
पुरुष ..	99	32	167	110	94	278	226	360
महिला ..	69	155	253	116	217	331	370	333
योग ..	168	187	420	226	311	609	596	693

सारणी–16—(समाप्त)

1		2	3	4	5	6	7	8	9
जे0टी0सी0 (2 वर्ष)—									
पुरुष	..	अनुपलब्ध	994	949	999	1,592	54	24	समाप्त
महिला	..	अनुपलब्ध	3	68	147	294	21	6	समाप्त
योग	..	अनुपलब्ध	997	1,017	1,146	1,886	75	30	समाप्त
एच0 टी0सी0 (दो वर्ष)— तथा बी0 टी0 सी0 (एक वर्ष)									
पुरुष	..	1,102	10,576	1,751	4,173	6,129	16,717	18,204	15,996
महिला	..	349	636	294	547	1,553	3,570	4,309	4,951
योग	..	1,451(य)	11,212(र)	2,045	4,720	7,682	20,287	22,513	20,947

(क) केवल एल0 टी0 परीक्षाफल है।

(–) आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।

*आंकड़े प्राविजनल हैं।

(य) इस संख्या में 606 लड़के और लड़कियां भी बी0 टी0 सी0 परीक्षा उत्तीर्ण सम्मिलित हैं।

(र) सचल विद्यालय के छात्राध्यापक भी सम्मिलित हैं। यह योजना बाद में बन्द हो गयी है।

सारणी–17

31 मार्च, 1973 की जिलेवार विद्यालयों की संख्या (प्रथम तीन स्तर)

जिले का नाम	हाई/हायर सेकेन्डरी स्कूल			सीनियर बेसिक स्कूल			जूनियर बेसिक स्कूल		
	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1—इलाहाबाद*	127	28	155	179	61	240	1,531	371	1,902
2—आजमगढ़*	108	8	116	191	59	250	1,282	264	1,546
3—बलिया(–)	73	4	77	152	39	191	962	230	1,192
4—बहराइच*	24	4	28	97	52	149	914	246	1,160
5—बस्ती* ..	85	6	91	228	63	291	1,570	261	1,831
6—देवरिया*	100	7	107	245	40	286	1,662	317	1,979
7—फैजाबाद(–)	63	10	73	135	15	150	1,059	252	1,311
8—गाजीपुर(–)	71	5	76	121	32	153	730	200	930
9—गोंडा(–)	40	7	47	96	20	116	1,386	279	1,665
10—गोरखपुर* ..	105	16	121	211	88	299	1,456	320	1,776
11—जौनपुर*	102	7	109	208	57	265	1,040	216	1,256
12—मिर्जापुर*	46	5	51	108	34	142	1,055	150	1,205
13—प्रतापगढ़ (–)	51	1	52	96	16	112	721	159	880
14—सुल्तानपुर(°)	38	2	40	144	51	195	1,151	262	1,413
15—वाराणसी*	108	34	142	241	104	345	1,320	301	1,621
योग, पूर्वी क्षेत्र	1,141	144	1,285	2,453	731	3,184	17,839	3,828	21,667

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
16—अल्मोड़ा*	58	5	63	104	10	114	788	102	890
17—पिथौरागढ़*	34	5	39	80	7	87	580	91	671
18—देहरादून(°)	28	15	43	54	31	85	440	102	542
19—पौडी गढ़वाल(°)	62	4	66	104	30	134	796	142	938
20—चमोली*	26	2	28	60	12	72	498	38	536
21—नैनीताल*	32	14	46	104	26	130	693	102	795
22—टेहरी गढ़वाल*	18	2	20	79	30	109	513	127	640
23—उत्तरकाशी*	9	1	10	33	2	35	278	16	294
योग, पर्वतीय क्षेत्र	267	48	315	618	148	766	4,586	720	5,306
24—बांदा(0)	30	4	34	148	23	171	896	222	1,118
25—हमीरपुर(°)	23	5	28	69	16	85	964	165	1,129
26—जालौन(°)	39	7	46	103	29	132	681	148	829
27—झांसी(–)	45	12	57	150	38	188	1,059	183	1,242
योग, बुन्देलखंड क्षेत्र	137	28	165	470	106	576	3,600	718	4,318
28—आगरा*	87	31	118	234	95	329	1,048	235	1,283
29—अलीगढ़(0)	92	17	109	198	26	224	1,107	295	1,402
30—बरेली(°)	56	20	76	137	46	183	936	275	1,211
31—बिजनौर(–)	56	9	65	88	22	110	665	219	884
32—बदायूं(0)	30	10	40	93	48	141	848	259	1,107
33—बुलन्दशहर*	138	18	156	94	23	117	1,008	342	1,350
34—एटा (–)	62	8	70	121	15	136	787	189	976

35—इटावा(*)	81	8	89	209	56	265	819	180	999
36—फर्रुखाबाद(–)	76	14	90	179	44	223	817	213	1,030
37—मैनपुरी(–)	53	8	61	186	52	238	964	173	1,137
38—मथुरा*	83	12	95	105	25	130	819	214	1,033
39—मेरठ(–)	186	53	239	215	94	309	1,590	511	2,101
40—मुरादाबाद(0)	63	22	85	128	74	202	1,400	294	1,694
41—मुजफ्फरनगर(°)	71	18	89	77	51	128	844	305	1,149
42—पीलीभीत(–)	13	3	16	55	16	71	481	134	615
43—रामपुर(°)	19	6	25	39	9	48	473	122	595
44—सहारनपुर*	81	23	104	122	66	188	1,073	354	1,427
45—शाहजहांपुर(°)	25	10	35	89	37	126	950	204	1,154
योग, पश्चिमी क्षेत्र	1,272	290	1,562	2,369	799	3,168	16,629	4,518	21,147
46—बाराबंकी*	25	2	27	136	26	162	1,003	282	1,285
47—फतेहपुर(°)	48	4	52	108	51	159	634	167	801
48—हरदोई(0)	27	4	31	144	26	170	1,060	194	1,254
49—कानपुर(0)	89	31	120	211	120	331	1,417	414	1,831
50—लखनऊ*	62	37	99	85	25	110	812	332	1,144
51—लखीमपुर खीरी(–)	27	5	32	72	39	111	974	160	1,134
52—रायबरेली(0)	32	3	35	112	41	153	709	157	866
53—सीतापुर*	28	6	34	195	75	270	1,012	227	1,239
54—उन्नाव*	37	6	43	153	47	200	971	153	1,124
योग मध्य क्षेत्र ..	375	98	473	1,216	450	1,666	8,592	2,086	10,678

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
योग, सब क्षेत्र ..	3,192	608	3,800	7,126	2,234	9,360	51,246	11,870	63,116
आंग्ल भारतीय विद्यालय* ..	28	17	45	..	3	3	4	2	6
महा योग	3,220	625	3,845	7,126	2,237	9,363	51,250	11,872	63,122

*इनकी संख्या तीनों स्तर की वर्ष 1972-73 की है।

(0) इनकी संख्या तीनों स्तर की वर्ष 1971-72 की है।

(–) इन जिलों की हाई/हायर सेकेन्डरी विद्यालयों की संख्यायें वर्ष 1972-73 की और सीनियर बेसिक तथा जूनियर बेसिक स्कूलों की संशोधित संख्या वर्ष 1971–72 व 1970–71की है।

(°) इस जिले की संख्या तीनों स्तर की वर्ष 1970–71 की है।
उपर्युक्त आंकड़े अस्थायी हैं।

उत्तर प्रदेश में शिक्षा की प्रगति

भाग–2

(प्राविधिक शिक्षा)

1973-74

प्राविधिक शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश

कानपुर ।

प्राविधिक शिक्षा की प्रगति 1973–74

उत्तर प्रदेश में प्राविधिक शिक्षा का विकास भारत सरकार की संस्तुतियों के अनुसार हो रहा है। प्राविधिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत प्राविधिक संस्थान डिग्री अथवा डिप्लोमा स्तर के विभिन्न विषयों के प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। प्राविधिक शिक्षा के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश उत्तरोत्तर प्रगति कर रहा है। आजादी के पूर्व केंद्रीय विश्वविद्यालयों को छोड़कर पूरे प्रदेश में केवल एक इंजीनियरिंग कालेज रुड़की में था। जिसकी प्रवेश क्षमता 80 थी। इसके बाद प्रथम पंचवर्षीय योजना में इंजीनियरिंग कालेज, दयालबाग, आगरा की स्थापना हुई तथा रुड़की विश्वविद्यालय की प्रवेश क्षमता में वृद्धि की गई।

द्वितीय पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत राजकीय केंद्रीय सूती वस्त्रोद्योग संस्थान, कानपुर, एच0 बी0 टी0 आई0, कानपुर, मदन मोहन मालवीय इंजीनियरिंग कालेज, गोरखपुर तथा मोतीलाल नेहरू रीजनल इंजीनियरिंग कालेज, इलाहाबाद की भी स्थापना हुई तथा वर्ष 1966–67 से कृषि विश्व-विद्यालय, पंतनगर के एक संघटक के रूप में पंत कालेज आफ टेकनालाजी की स्थापना की गयी।

डिप्लोमा स्तर पर नई बहुधंधी संस्थायें, बरेली, झांसी, खुर्जा, चन्दौली, हंडिया, नैनीताल, हाथरस में स्थापित की गईं। इनके अतिरिक्त इलाहाबाद में नार्दन रीजनल इंस्टीट्यूट आफ प्रिंटिंग टेकनालाजी की भी स्थापना हुई।

वर्ष 1959–60 में दौराला, जौनपुर, गाजीपुर, इलाहाबाद तथा झांसी में माध्यमिक तकनीकी विद्यालय स्थापित किये गये।

तृतीय पंचवर्षीय योजना में स्वीडिस सरकार की सहायता से स्कूल आफ पेपर टेकनालाजी की स्थापना सहारनपुर में की गई। छात्राओं को तकनीकी शिक्षा प्रदान करने हेतु लखनऊ में एक महिला बहुधंधी संस्था की स्थापना की गई। चर्म उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए आगरा में एक लेदर इंस्टीट्यूट की स्थापना की गई। इसी अवधि में मिर्जापुर, फैजाबाद, कानपुर, बस्ती और आजमगढ़ में नयी बहुधंधी संस्थायें स्थापित की गई तथा आजमगढ़, बरेली, गोण्डा, मिर्जापुर, मुरादाबाद, लखनऊ, फैजाबाद और गोरखपुर में आठ नये माध्यमिक तकनीकी विद्यालय स्थापित किये गये।

वर्ष 1966–67 में पंतनगर में इंजीनियरिंग कालेज की स्थापना की गई।

वर्ष 1968–69 में श्रीनगर (गढ़वाल) में बहुधंधी संस्था की स्थापना की गई।

इस प्रकार चौथी पंचवर्षीय योजना में प्रारम्भ होने के समय प्राविधिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत 7 डिग्री स्तर की संस्थायें, 13 राजकीय बहुधंधी संस्थायें, 15 सहायता प्राप्त बहुधंधी संस्थायें, 13 राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय तथा 8 विशिष्ट प्रशिक्षण देने वाली संस्थायें हो गयीं, (परिशिष्ट–1) जिनमें केन्द्रीय वस्त्रोद्योग संस्थान, कानपुर एवं कागज प्रौद्योगिक संस्थान सहारन-पुर विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

प्राविधिक शिक्षा में औद्योगीकरण:—

पंचवर्षीय योजनाओं के समय में उद्योग एवं निर्माण-कार्यों का विकास उस गति से नहीं हुआ। जैसा कि अनुमानित था इस कारण डिग्री तथा डिप्लोमा प्राप्त छात्रों में कुछ बेरोजगारी आ गयी। इन बातों को दृष्टिकोण में रखते हुये शासन ने चतुर्थ पंचवर्षीय योजना में परंपरागत पाठ्यक्रमों की प्रवेश क्षमता में वृद्धि न करने की नीति अपनायी गयी। चतुर्थ पंचवर्षीय योजना में मुख्य बल डाइ-वर्सीफाइड पाठ्यक्रमों पर कर दिया गया। सिचाई एवं विद्युत की योजनायें सड़कों के निर्माण तथा सार्वजनिक निर्माण विभाग के अन्य निर्माण-कार्य के अतिरिक्त यांत्रिक यातायात में भारी तथा हल्की गाड़ियों के उपयोग के कारण डीजल तथा पेट्रोल इंजनों तथा मोटर गाड़ियों का इस्तेमाल दिन

प्रतिदिन बढ़ रहा है जिसके लिये आटोमोबाइल इंजीनियरिंग के कुशल टेक्नीशियनों की आवश्यकता है। इसी प्रकार से रेलवे खाद्य उद्योग एयर कंडीशन तथा रेफरीजरेशनिंग की कार्यशालायें इत्यादि को एयर कन्डीशनिंग रेफरीजरेशन के तकनीशियनों की आवश्यकता है। रेडियो ट्रांजिस्टर तथा टेलीविजन का उपयोग दिन प्रतिदिन बढ़ने के कारण इलेक्ट्रानिक्स में प्रशिक्षित कारीगरों की आवश्यकता बढ़ गई है। इसके अतिरिक्त एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग, हाई वे इंजीनियरिंग, टाउन प्लानिंग इत्यादि में भी प्रशिक्षकों की आवश्यकता चतुर्थ पंचवर्षीय योजना में अनुभव की गयी। वर्ष 1969–70 से 1972–73 तक निम्नलिखित डाइवर्सीफाइड पाठ्यक्रम विभिन्न संस्थाओं में चालू किये गये हैं।

1969–70

1—एयर कंडीशनिंग एवं रेफ्रीजरेशन में एक वर्षीय पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रम, एम0 जी0 पालीटेक्निक, हाथरस (प्रवेश क्षमता—10)।

2—इंडस्ट्रियल इलेक्ट्रानिक्स में एक वर्षीय पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रम इलाहाबाद पालीटेक्निक, इलाहाबाद (प्रवेश क्षमता—10)।

3—आटोमोबाइल इंजीनियरिंग में एक वर्षीय पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रम राजकीय बहुधंधी संस्था, लखनऊ (प्रवेश क्षमता–10) (बाद में यह पाठ्क्रम बन्द कर दिया गया)।

1970–71

4—डिजाइन एवं ड्राफ्टिंग में एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम इलाहाबाद पालीटेकनिक, इलाहाबाद (प्रवेश क्षमता—10)।

5–सैंडविच पद्धति पर चार वर्षीय केमिकल आपरेटर्स पाठ्यक्रम, राजकीय पालीटेकनिक, गोरखपुर (प्रवेश क्षमता—10)।

6—तीन वर्षीय इलेक्ट्रानिक्स में डिप्लोमा पाठ्यक्रम, इलाहाबाद (प्रवेश क्षमता-30)।

7—इंस्ट्रूमेंट टेकनालाजी में एक वर्षीय पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रम, राजकीय पोलीटेकनिक, कानपुर (प्रवेश क्षमता—10)।

8—आटोमोबाइल इंजीनियरिंग में एक वर्षीय पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रम, पी0एम0 वी0 पालीटेकनिक, मथुरा, (प्रवेश क्षमता—10) (बाद में यह पाठ्यक्रम बन्द कर दिया गया)।

1971–72

9—तीन वर्षीय इलेक्ट्रिानिक्स डिप्लोमा पाठ्यक्रम—राजकीय पालीटेकनिक, कानपुर, के0 एल0 पालीटेकनिक, रुड़की तथा लखनऊ पालीटेननिक, लखनऊ (प्रवेश क्षमता—30 प्रति संस्था)।

10—तीन वर्षीय डिप्लोमा इन आटोमोबाइल इंजीनियरिंग राजकीय बहुधंधी संस्था, लखनऊ गोरखपुर, बरेली, झांसी (प्रवेश क्षमता—30 प्रति संस्था)।

11—एक वर्षीय पोस्ट डिप्लोमा रेफरीजरेशन एयर कंडीशनिंग, इलाहाबाद बहुधंधी संस्था, इलाहाबाद (प्रवेश क्षमता—10)।

12—एक वर्षीय पोस्ट डिप्लोमा इन फाउन्ड्री टेकनालाजी, राजकीय बहुधंधी संस्था, मुरादाबाद (प्रवेश क्षमता-10)।

1972–73

1—तीन वर्षीय आटोमोबाइल इंजीनियरिंग डिप्लोमा पाठ्यक्रम पी0एम0वी0 पालीटेकनिक, मथुरा (प्रवेश क्षमता-30)।

2—तीन वर्षीय सिरेमिक टेकनालाजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम सेठ गंगा सागर जटिया पालीटेकनिक, खुर्जा (प्रवेश क्षमता—30)।

3—कस्ट्यूम डिजाइन तथा ड्रेस मेकिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम राजकीय महिला बहुधंधी संस्था, लखनऊ (प्रवेश क्षमता—30)।

4—कार्मशियल प्रैक्टिस में डिप्लोमा पाठ्यक्रम--नैनीताल पालीटेकनिक, नैनीताल (प्रवेश क्षमता–30)

5—3 वर्षीय इलेकट्रानिक्स में डिप्लोमा पाठ्यक्रम -राजकीय पालीटेकनिक, झांसी (प्रवेश क्षमता–30)।

6—सैंडविच पद्धति पर चार वर्षीय केमिकल आपरेटर्स पाठ्यक्रम राजकीय बहुधंधी संस्था, कानपुर (प्रवेश क्षमता—10)।

7—एक वर्षीय पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रम एअर कंडीशनिंग तथा रेफरीजरेशन राजकीय पालीटेकनिक, बरेली तथा देव नागरी पालीटेकनिक, मेरठ (प्रति संस्थान, प्रवेश क्षमता—10)।

चतुर्थ पंचवर्षीय योजना के प्रथम चार वर्षों में 532–350 लाख रु0 की धनराशि उपलब्ध थी जिसमें वास्तविक व्यय 413.505 लाख रु0 निम्न प्रकार से हुआ :—

क्रमांक वर्ष				परिव्यय	वास्तविक व्यय (लाख रुपयों में)
1—1,969–70	..	..	..	180.000	152.213
2—1970–71	..	..	..	170.000	131.286
3—1971–72	..	..	..	182.350	130.006
4—1972–73	..	..	..	180.000	144.529
			योग ..	712.350	558.034

वर्ष 1973–74 की प्रगति

वर्ष 1973–74 में डिग्री स्तर पर प्रवेश क्षमता में कोई परिवर्तन नहीं हुआ तथा प्रवेश क्षमता 980 ही रही (परिशिष्ट-2) जिसमें कृषि इंजीनियरिंग की 50 सीटें सम्मिलित हैं। डिग्री स्तर पर कोई नया पाठ्यक्रम प्रारम्भ नहीं किया गया तथा चालू वर्ष में बजट के अन्तर्गत जो योजनायें पहिले से चल रही हैं उनको पूरा करने हेतु फैकल्टी विकास तथा स्टाफ क्वार्टर पर ध्यान दिया गया।

डिप्लोमा स्तर पर तृतीय पंचवर्षीय योजना की अधूरी योजनाओं को पूरा करने के अतिरिक्त नये पाठ्यक्रमों के लिए प्राविधान किया गया है। इसके अतिरिक्त परम्परागत पाठ्यक्रमों को, अधिक उपयोगी बनाने के लिये उसमें इलेक्ट्रिक्स विषयों का समावेश किया गया है जिसके लिए अतिरिक्त साज सज्जा का भी प्राविधान किया गया है। वर्ष 1973–74 में निम्नलिखित नये डाइवर्सीफाइड पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये गये।

		प्रवेश क्षमता
(1) इलाहाबाद बहुधंधी संस्था, इलाहाबाद		
1—आटोमोबाइल इंजीनियरिंग में 3 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम	..	30
2—कार्मशियल प्रैक्टिस में दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम	..	30
3—प्रोडक्शन इंजीनियरिंग में 3 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम	..	30
4—कान्सट्रक्शन टकनालाजी में 3 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम	..	30
5—इंसट्रूमेंटेसन एवं कंट्रोल में 3 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम	..	30
(2) एम0बी0 पोलीटेकनिक, हाथरस।		
इंडस्ट्रियल इलेकट्रानिक्स में एक वर्षीय पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रम	..	10
(3) चन्दौली पालीटेकनिक, चन्दौली।		
कृषि अभियंत्रण में 3 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम	..	30

(4) राजकीय बहुधंधी संस्था, मिर्जापुर ।

इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग में एक वर्षीय पोस्ट डिप्लोमा पाठ्य क्रम 10

वित्तीय वर्ष 1973–74 में आयोजनागत परियोजनाओं के लिये 175.000 लाख रुपये का परिव्यय निर्धारित है जिसमें 13.000 लाख रु0 का प्राविधान प्राविधिक शिक्षा ऋण का सम्मिलित है ।

प्राविधिक शिक्षा ऋण--प्रथम पंचवर्षीय योजना में तकनीकी प्रशिक्षण हेतु ऋण की योजना आरम्भ की गई थी जिसमें भारतवर्ष के अन्दर 7,000 रुपये तथा विदेश के लिये 15,000 रुपये तक प्राविधिक शिक्षा के लिए ऋण स्वीकृत किया जा सकता है । इस योजना के अन्तर्गत प्रथम योजना 3.071 लाख रुपये द्वितीय योजना में 20.712 लाख रुपये तथा तृतीय योजना में 91.312 लाख रुपये तथा चतुर्थ पंचवर्षीय योजना के प्रथम चार वर्षों में 83.690 लाख रुपया वितरित किया जा चुका है । वर्ष 1973–74 में प्राविधिक शिक्षा ऋण के लिये 13–000 लाख रुपये का प्राविधान है । इसके विपरीत माह दिसम्बर 1973 तक 8.188 लाख रुपये व्यय हुआ ।

वर्ष 1973–74 में माह दिसम्बर तक प्राप्त तथा स्वीकृत प्रार्थनापत्रों की स्थिति निम्न प्रकार है:—

(1) वर्ष 1973–74 में प्राप्त प्रार्थना-पत्र

(अ) उत्तर प्रदेश की संस्थाओं से	555
(ब) दूसरे प्रदेशों से	31
(स) विदेश के लिए	11
योग ..	597

(2) स्वीकृत प्रार्थना-पत्र

(अ) उत्तर प्रदेश	360
(ब) दूसरे प्रदेश	29
(स) विदेश के लिए	6
योग ..	395

औद्योगिक सम्पर्क परिषद ।

उद्योगों से सम्पर्क स्थापित करने एवं छात्रों की रोजगार की समस्याओं को हल करन तथा उद्योगों की आवश्यकताओं का अध्ययन करके पाठ्यक्रम तथा पाठ्यचर्या में संशोधन की संस्तुति हेतु औद्योगिक सम्पर्क परिषद् की स्थापना की गई है । मुख्य मंत्री जी इस परिषद् के अध्यक्ष हैं तथा प्राविधिक शिक्षा निदेशक सदस्य सचिव हे ।

आवास गृहों का निर्माण--

प्राविधिक शिक्षा संस्थाओं में कर्मचारियों के लिए आवासगृहों की सुविधा का अनुभव किया गया जिसके लिए संस्थाओं में आवासगृहों के निर्माण के लिये योजना चल रही है तथा उसके लिए आवश्यक प्राविधान किया गया है

विद्यार्थियों को सुविधायें--

विद्यार्थियों को सुविधा प्रदान करने के अन्तर्गत संस्थाओं में कैन्टीन, डिस्पेंसरी, एन0सी0सी0 ब्लाक तथा साइकिल स्टैंड की सुविधायें उपलब्ध कराई जा रही हैं ।

प्रशितक्षण युक्त उत्पादन केन्द्रों की स्थापना--

चौथी पंचवर्षीय योजना में इलाहाबाद बहुधंधी संस्था, इलाहाबाद तथा नैनीताल बहुधंधी संस्था, नैनीताल प्रशिक्षण युक्त उत्पादन केंद्रों की स्थापना की गई । इस योजना क अन्तर्गत प्रशिक्षण में उत्पादन आधारित बनाने हेतु मोटर गाड़ियों, रेफ्रीजरेटर, रेडियो इत्यादि की मरम्मत के साथ पावर थ्रेसर, स्टील फरनीचर, इमरजेंसी लाइट, टूल डाइज तथा टीचिंग एड्स इत्यादि का उत्पादन भी किया जाता है । इसी प्रकार का एक प्रशिक्षण युक्त उत्पादन केंद्र चन्दौली पालीटकनिक, चन्दौली के लिय स्वीकृत है जिसमें योजना को अधिक उपयोगी बनान के लिये योजना में कुछ संशोधन किये जा रहे हैं ।

स्वतः रोजगार की योजना--

तकनीकी शिक्षा प्राप्त नवयुवकों को स्वावलम्बी बनाने के हेतु डिप्लोमा धारकों के लिये स्वतः रोजगार की योजना प्रस्तावित की गई है जिसके अनुसार छात्रों को कुछ मास की स्टाइपेंड्री ट्रेनिंग तथा अपना उद्योग लगाने हेतु आर्थिक सहायता दी जायगी ।

क्रैश प्रोग्राम--

विभिन्न विभागों में सिविल अभियंत्रणों की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के उद्देश्य से प्रदेश की कई संस्थाओं में क्रैश प्रोग्राम प्रारम्भ किया गया है । इस प्रोग्राम के अन्तर्गत इलेक्ट्रिकल तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग के डिप्लोमा धारकों को 8 माह का सिविल इंजीनियरिंग में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। अन्य विषयों के बेरोजगार स्नातक इंजीनियरों के लिये रुड़की विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरिंग का एक 15 महीने का कन्डेंस्ड कोर्स आरम्भ किया गया। इस कोर्स में 50 छात्रों को प्रवेश दिया है ।

शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण--

प्रशिक्षण का स्तर ऊंचा करने के लिए चन्डीगढ़ में टेकनिकल टीचर्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट की स्थापना की गई जिसमें इस प्रदेश से 1967-68 से वर्ष 1973-74 तक निम्न शिक्षक पोषित किये गये--

वर्ष		शिक्षकों की संख्या
1967-68	..	10
1968-69	..	15
1969-70	..	19
1970-71	..	13
1971-72	..	12
1972-73	..	28
1973-74	..	30

इसके अतिरिक्त बहुधंधी संस्थाओं से विभिन्न विषयों में अल्पकालीन प्रशिक्षण के लिए भी प्रशिक्षकों को पोषित करने की व्यवस्था है ।

भौतिक प्रगति--

वर्ष 1973-74 में डिग्री स्तर पर स्वीकृत 980 प्रवेश क्षमता के विरुद्ध 1089 प्रवेश हुए ।

डिप्लामा स्तर पर स्वीकृत प्रवेश क्षमता 6,260 के विरुद्ध 6,891 छात्रों ने प्रवेश लिया, यह संख्या गत वर्षों से सबसे अधिक है तथा प्रवेश में वृद्धि उत्साहजनक है ।

वर्ष 1972-73 में राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय जिनको बन्द कर दिया गया था जौनपुर के अतिरिक्त 12 विद्यालय पुनः चालू कर दिये गये हैं । इन संस्थाओं में भी प्रवेश की स्थिति संतोषजनक है ।

वर्ष 1973-74 में प्रवेश क्षमता के विपरीत 633 छात्रों ने प्रवेश लिया ।

छात्रों को आर्थिक सहायता--

प्राविधिक शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत चल रही सम्पूर्ण संस्थाओं में 15 प्रतिशत छात्रों को पूर्ण शुल्क 30 प्रतिशत छात्रों को अर्धशुल्क मुक्त करने की व्यवस्था है । इसके अतिरिक्त प्रत्येक संस्था में 104 छात्रों को 25 रु० प्रतिमाह छात्रवृत्ति देने का भी प्राविधान है ।

वर्ष 1974-75 के कार्य-क्रमों की रूप रेखा--

वर्ष 1974-75 के लिए 125 लाख रुपये का परिव्यय निर्धारित किया गया है जिसमें 55.25 लाख रुपये का प्राविधान डिग्री संस्थाओं के लिये तथा 69.75 लाख रुपये का प्राविधान डिप्लोमा संस्थाओं के लिए रखा गया है ।

डिग्री स्तर--वर्ष 1974-75 में डिग्री स्तर पर कोई नया कार्यक्रम प्रारम्भ करने का प्रस्ताव नहीं है कवल पुराने पाठ्यक्रमों के सुदृढ़ीकरण के लिए प्राविधान किया गया है ।

डिप्लोमा स्तर—वर्ष 1974-75 में निम्नलिखित नये डाइवर्सीफाइड पाठ्यक्रम चलाने का प्रस्ताव है:—

1—आटोमोबाइल इंजीनियरिंग में 3 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम ।

2—राजकीय बहुधंधी संस्था श्रीनगर तथा टाउन पोलीटेकनिक, बलिया (प्रवेश क्षमता 30 प्रतिशत प्रति संस्था) ।

31—इलेक्ट्रानिक्स में 3 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम नैनीताल बहुधंधी संस्था नैनीताल (प्रवेश क्षमता-30)।

3—पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग में 3 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम इलाहाबाद बहुधंधी संस्था, इलाहाबाद (प्रवेश क्षमता -30)

4—इंटीरियर डेकारेशन में 3 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम राजकीय महिला बहुधंधी संस्था, लखनऊ (प्रवेश क्षमता-30) ।

वर्ष 1974-75 में टाउन पोलीटेकनिक, बलिया तथा राजकीय बहुधंधी संस्था श्रीनगर (गढ़वाल) की प्रवेश क्षमता 60 से बढ़ाकर 120 प्रति संस्था करने का प्रस्ताव है।

लखनऊ बहुधंधी संस्था, लखनऊ में पावर थ्रेसर, ट्रैक्टर, टेलर, ग्रेन स्टोरेज पिन्स तथा इलेक्ट्रो-प्लेटिंग प्लांट के उत्पादन हेतु प्रशिक्षण युक्त उत्पादन केंद्र की स्थापना का प्रस्ताव है।

वर्ष 1974-75 में राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालयों के पुनर्गठन का प्रस्ताव है। इस योजना के अन्तर्गत इलेक्ट्रीशियन में एक नया पाठ्यक्रम प्रस्तावित हैं जिसके लिए अतिरिक्त स्टाफ तथा साज-सज्जा के लिए 1.50 लाख रुपये का प्राविधान प्रस्तावित है।

वर्किंग ग्रुप की संस्तुति के अनुसार प्राविधिक शिक्षा में बहुमुखी विकास लाने हेतु प्राविधिक शिक्षा निदेशालय के प्रत्येक अनुभाग में पर्याप्त कर्मचारी वर्ग उपलब्ध कराने हेतु निदेशालय के पुनर्गठन एवं सुदृढ़ीकरण का प्रस्ताव है जिसके लिए अतिरिक्त स्टाफ तथा साज-सज्जा आदि का प्राविधान किया गया है।

वर्ष 1974-75 में डिग्री स्तर पर प्रवेश क्षमता का लक्ष्य 1,330 रखा गया है तथा डिप्लोमा स्तर पर 6,520 छात्रों को भरती करने का लक्ष्य है।

परिशिष्ट—1

उत्तर प्रदेश में डिग्री डिप्लोमा स्तर के प्राविधिक संस्थानों की सूची

डिग्री स्तर की संस्थायें

1--रुड़की विश्वविद्यालय, रुड़की ।
2--इंजीनियरिंग कालेज, दयालबाग, आगरा ।
3--मोतीलाल नेहरू इंजीनियरिंग कालेज, इलाहाबाद ।
4--मदनमोहन मालवीय इंजीनियरिंग कालेज, गोरखपुर ।
5--पंत कालेज आफ इंजीनियरिंग ऐंड टेक्नालाजी, पंतनगर ।
6--एच0बी0टी0आई0, कानपुर ।
7--राजकीय सेंट्रल टेक्सटाइल इंस्टीट्यूट, कानपुर ।

डिप्लोमा स्तर की संस्थायें

1--राजकीय बहुधंधी संस्था, गोरखपुर ।
2--राजकीय बहुधंधी संस्था, झाँसी ।
3--राजकीय बहुधंधी संस्था, बरेली ।
4--राजकीय बहुधंधी संस्था, कानपुर ।
5--राजकीय बहुधंधी संस्था, फैजाबाद ।
6--राजकीय बहुधंधी संस्था, आजमगढ़ ।
7--राजकीय बहुधंधी संस्था, मिर्जापुर ।
8--राजकीय बहुधंधी संस्था, मुरादाबाद ।
9--राजकीय बहुधंधी संस्था, गोंडा ।
10--राजकीय बहुधंधी संस्था, बस्ती ।
11--राजकीय बहुधंधी संस्था, लखनऊ ।
12--राजकीय बहुधंधी संस्था, श्रीनगर (गढ़वाल) ।
13--सेठ गंगासागर जाटिया बहुधंधी संस्था, खुर्जा ।

सहायता प्राप्त बहुधंधी संस्थान

14--हेविट बहुधंधी संस्था, लखनऊ ।
15--लखनऊ बहुधंधी संस्था, लखनऊ ।
16--डी0जे0 बहुधंधी संस्था, बड़ौत ।
17--डी0एन0 बहुधंधी संस्था, मेरठ ।
18--गांधी बहुधंधी संस्था, मुजफ्फरनगर ।
19--हंडिया बहुधंधी संस्था, हंडिया ।
20--इलाहाबाद बहुधंधी संस्था, इलाहाबाद ।
21--पी0एम0वी0 बहुधंधी संस्था मथुरा ।
22--एम0पी0 बहुधंधी संस्था, गोरखपुर ।
23--के0एल0 बहुधंधी संस्था, रुड़की ।
24--चन्दौली बहुधंधी संस्था, चन्दौली ।
25--एम0जी0 बहुधंधी संस्था, हाथरस ।
26--टेक्निकल कालेज दयालबाग, आगरा ।
27--टाउन बहुधंधी संस्था, बलिया ।
28--नैनीताल बहुधंधी संस्था, नैनीताल ।

29--राजकीय केंद्रीय वस्त्र संस्था, कानपुर ।
30--एन0 आर0 इंस्टीट्यूट आफ प्रिंटिंग टेकनालाजी, इलाहाबाद ।
31--राजकीय चर्म संस्था, आगरा ।
32--राजकीय बालिका बहुधंधी संस्था, लखनऊ ।
33--राजकीय चर्म संस्था, कानपुर ।
34--स्कूल आफ पेपर टेकनालाजी, सहारनपुर ।

राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय

1--राजकीय	माध्यमिक	प्राविधिक	विद्यालय,		गोरखपुर ।
2--	,,	,,	,,	,,	बरेली ।
3--	,,	,,	,,	,,	फैजाबाद ।
4--	,,	,,	,,	,,	लखनऊ ।
5--	,,	,,	,,	,,	मिर्जापुर ।
6--	,,	,,	,,	,,	आजमगढ़ ।
7--	,,	,,	,,	,,	इलाहाबाद ।
8--	,,	,,	,,	,,	गाजीपुर ।
9--	,,	,,	,,	,,	झांसी ।
10--	,,	,,	,,	,,	गोंडा ।
11--	,,	,,	,,	,,	मुरादाबाद ।
12--	,,	,,	,,	,,	दौराला (मेरठ)

परिशिष्ट–2

डिग्री स्तर की संस्थाओं के नाम	1973—74 प्रवेश क्षमता	
	स्नातकस्तर	स्नातकोत्तर स्तर
1—रुड़की विश्वविद्यालय, रुड़की।	305	416
2—इंजीनियरिंग कालेज दयालबाग, आगरा ..	60	--
3--पंत कालेज आफ इंजीनियरिंग टेकनालाजी ..	150	--
4--मोतीलाल नेहरू रीजनल इंजीनियरिंग कालेज, इलाहाबाद	180	80
5—एच0 बी0 टी0 आई0 कानपुर। ..	195	85
6—राजकीय केन्द्रीय वस्त्रोद्योग संस्थान, कानपुर ..	30	--
7—मदन मोहन मालवीय इंजीनियरिंग कालेज गोरखपुर	140	--
योग ..	1,060	581

परिशिष्ट-3

वर्ष 1973-74 में डिप्लोमा स्तर पर पाठ्यक्रमवार संस्थाओं में प्रवेश किये जाने का लक्ष्य

संस्था का नाम					प्रवेश छमता
1—राजकीय बहुधंधी संस्थान, लखनऊ—					
नागरिक अभियंत्रण	..	..	..	..	90
विद्युत अभियंत्रण	..	..	..	..	105
यांत्रिक अभियंत्रण	..	..	..	..	105
आटोमोबाइल इंजीनियरिंग	..	..	..	..	30
			योग	..	330
2—राजकीय बहुधंधी संस्थान, गोरखपुर—					
नागरिक अभियंत्रण	..	..	..	..	90
विद्युत अभियंत्रण	..	..	..	..	105
यांत्रिक अभियंत्रण	..	..	..	..	105
कैमिकल आपरेटर	..	..	..	..	10
आटोमोबाइल इंजीनियरिंग		..	..	..	30
पोस्ट डिप्लो-रेफरीजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग			..	..	10
			योग	..	350
3—राजकीय बहुधंधी संस्था, बरेली—					
नागरिक अभियंत्रण		..	..	..	60
विद्युत अभियंत्रण	..	..	..	..	90
यांत्रिक अभियंत्रण	..	..	..	..	90
आटोमोबाइल इंजीनियरिंग		..	..	..	30
पोस्ट डिप्लोमा-रेफरीजरेशन एवं एयरकंडीशनिंग			..	..	10
			योग	..	280
4—राजकीय बहुधंधी संस्थान, झांसी—					
नागरिक अभियंत्रण	..	..	..	..	60
विद्युत अभियंत्रण	..	..	..	..	90
यांत्रिक अभियंत्रण	..	..	..	..	90
आटोमोबाइल अभियंत्रण	..	..	..	..	30
इलेक्ट्रानिक्स	.	..	..	..	30
			योग	..	300

संस्था का नाम	प्रवेश क्षमता
5—राजकीय बहुधंधी संस्थान, कानपुर—	
नागरिक अभियंत्रण	60
विद्युत अभियंत्रण	120
यांत्रिक अभियंत्रण	120
केमिकल आपरेटर	10
इलेक्ट्रानिक्स	30
पोस्ट डिप्लोमा-इन्स्ट्रूमेंट टेकनालाजी	10
योग	350
6—राजकीय बहुधंधी संस्था, फैजाबाद—	
नागरिक अभियंत्रण	30
विद्युत् अभियंत्रण	75
यांत्रिक अभियंत्रण	75
योग	180
7—राजकीय बहुधंधी संस्था, मिर्जापुर—	
नागरिक अभियंत्रण	30
विद्युत अभियंत्रण	75
यांत्रिक अभियंत्रण	75
पो0डि0 इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग	10
योग	190
8—सेठ गंगा सागर जटिया पोलीटेक्निक, खुर्जा—	
नागरिक अभियंत्रण	60
विद्युत अभियंत्रण	60
यांत्रिक अभियंत्रण	60
सिरेमिक टेकनालाजी	30
योग	210
9—राजकीय पोलीटेक्निक, आजमगढ़—	
नागरिक अभियंत्रण	30
विद्युत अभियंत्रण	75
यांत्रिक अभियंत्रण	75
योग	180
10—राजकीय बहुधंधी संस्था, गोंडा—	
नागरिक अभियंत्रण	30
विद्युत अभियंत्रण	45
यांत्रिक अभियंत्रण	45
योग	120

संस्था का नाम	प्रवेश क्षमता
11—राजकीय बहुधंधी संस्था, बस्ती—	
नागरिक अभियंत्रण	30
विद्युत अभियंत्रण	45
यांत्रिक अभियंत्र	45
योग ..	120
12—राजकीय बहुधंधी संस्था, मुरादाबाद—	
नागरिक अभियंत्रण	60
विद्युत अभियंत्रण	90
यांत्रिक अभियंत्रण	90
पोस्ट डिप्लोमा-फाउन्ड्री टेकनालाजी	10
योग ..	250
13—राजकीय बहुधंधी संस्था, श्रीनगर—	
नागरिक अभियंत्रण	30
विद्युत अभियंत्रण	45
यांत्रिक अभियंत्रण	45
आटोमोबाइल अभियंत्रण	30
योग ..	150
14—एम0जी0 पोलीटेकनिक, हाथरस—	
नागरिक अभियंत्रण	60
विद्युत अभियंत्रण	60
यांत्रिक अभियंत्रण	60
पोस्ट डिप्लोमा रेफरीजरेशन एवं एयर कंडीशनिंग	10
,, ,, इंडस्ट्रियल इलेक्ट्रानिक्स	10
योग ..	200
15—पी0एम0बी0 पोलीटेकनिक मथुरा—	
नागरिक अभियंत्रण	60
विद्युत अभियंत्रण	60
यांत्रिक अभियंत्रण	00
आटोमोबाइल अभियंत्रण	30
योग ..	210
16—हंडिया पोलीटेकनिक, हंडिया— ..	
नागरिक अभियंत्रण	30
विद्युत अभियंत्रण	45
यांत्रिक अभियंत्रण	45
योग ..	120

संस्था का नाम	प्रवेश क्षमता
17—चन्दौली पोलीटेकनिक, चन्दौली—	
नागरिक अभियंत्रण	30
विद्युत अभियंत्रण	45
यांत्रिक अभियंत्रण	45
एग्रीकल्चरल अभियंत्रण	30
योग ..	150
18—नैनीताल बहुधंधी संस्था, नैनीताल—	
नागरिक अभियंत्रण	60
विद्युत अभियंत्रण	60
यांत्रिक अभियंत्रण	60
कार्मशियल प्रेक्टिस	30
पोस्ट डिप्लोमा हाई टीट्यूड अभि0	10
इलेक्ट्रानिक	30
योग ..	250
19—के0एल0 पोलीटेकनिक, रुड़की—	
नागरिक अभियंत्रण	60
विद्युत अभियंत्रण	90
यांत्रिक अभियंत्रण	90
इलेक्ट्रानिक्स	30
योग ..	270
20—गाँधी पोलीटेकनिक, मुजफ्फरनगर—	
नागरिक अभियंत्रण	30
विद्युत अभियंत्रण	45
यांत्रिक अभियंत्रण	45
आटोमोबाइल अभियंत्रण	..
योग ..	120
21—डी0जे0 पोलीटेकनिक, बड़ौत (मेरठ)—	
नागरिक अभियंतण	30
विद्युत अभियंत्रण	45
यांत्रिक अभियंत्रण	45
योग ..	120

संस्था का नाम	प्रवेश क्षमता
22—डी0एन0 पोलीटेक्निक, मेरठ	
नागरिक अभियंत्रण	30
विद्युत अभियंत्रण	75
यांत्रिक अभियंत्रण	75
पोस्ट डिप्लोमा रेफरीजरेशन एवं एयर कंडीशनिंग	10
योग ..	190
23—इलाहाबाद बहुधंधी संस्था, इलाहाबाद	
नागरिक अभियंत्रण	60
विद्युत अभियंत्रण	90
यांत्रिक अभियंत्रण	120
इलेक्ट्रानिक्स	30
पोस्ट डिप्लोमा इंडस्ट्रियल इलेक्ट्रानिक्स	10
„ „ रेफरीजरेशन एवं एयरकंडीशनिंग	10
„ „ डिजाइन एवं ड्राफ्टिंग	10
„ „ टेलीविजन	10
डिप्लोमा पाठ्यक्रम आटोमोबाइल	30
„ „ कामर्शियल प्रैक्टिस	30
„ „ प्रोडक्शन इंजीनियरिंग	30
„ „ कान्स्ट्रक्शन टेक्नालाजी	30
„ „ इंस्ट्रूमेंटेशन एवं कंट्रोल	30
„ पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग	30
योग ..	520
24—एम0पी0 पोलीटेक्निक, गोरखपुर	
नागरिक अभियंत्रण	30
विद्युत अभियंत्रण	45
यांत्रिक अभियंत्रण	45
योग ..	120
25—टाउन पोलीटेक्निक, बलिया	
नागरिक अभियंत्रण	30
विद्युत अभियंत्रण	45
यांत्रिक अभियंत्रण	45
आटोमोबाइल अभियंत्रण	30
योग ..	150

संस्था का नाम					प्रवेश क्षमता
26—लखनऊ पोलीटेक्निक, लखनऊ					
नागरिक अभियंत्रण	..	..	..	..	80
विद्युत अभियंत्रण	..	..	..	..	80
यांत्रिक अभियंत्रण	..	..	..	..	80
इलेक्ट्रानिक्स	..	..	..	..	30
			योग	..	270
27—हेविट पोलीटेक्निक, लखनऊ					
नागरिक अभियंत्रण	..	..	..	..	60
विद्युत अभियंत्रण	..	..	..	..	120
यांत्रिक अभियंत्रण	..	..	..	..	120
			योग	..	300
28—टेक्निकल कालेज दयालबाग, आगरा					
विद्युत अभियंत्रण	..	..	..	..	55
यांत्रिक अभियंत्रण	..	..	..	..	55
आटोमोबाइल अभियंत्रण	..	..	..	..	40
			योग	..	150
(अन्य डिप्लोमा पाठ्यक्रम)					
29—राजकीय केंद्रीय वस्त्र संस्था, कानपुर					30
टेक्सटाइल टेक्नालाजी		..	..	..	
30—राजकीय चर्म संस्था, कानपुर।					30
लेदर टेक्नालाजी		..	..	..	
31—राजकीय चर्म संस्था, आगरा।					30
लेदर टेक्नालाजी		..	..	..	
32—एन0 आर0 प्रिंटिंग, टेक्नालाजी, इलाहाबाद।					
प्रिंटिंग टेक्नालाजी			..	..	60
33—स्कूल आफ पेपर टेक्नालाजी, सहारनपुर।					
पल्प टेक्नालाजी (डि0)		..	..	..	100
पल्प टेक्नालाजी (सी0डी0)					
34—राजकीय बालिका बहुधंधी संस्था, लखनऊ।					
इलेक्ट्रानिक्स	..	..	..	..	30
कास्ट्यूम डिजाइन एवं ड्रेस मेकिंग		..	..	..	30
स्टेनोग्राफर	..	..	..	..	30
इन्टीरियर डेकोरेशन	..	..	..	..	30
			योग	..	120
			महायोग	..	6,520

पी0 एस0 यू0 पी0—ए0 पी0 13 शिक्षा—1964—2,000 (मेक0)